संकल्प परिवर्तन का

रायबरेली,बुधवार
13.03.2024
वर्षः 11
अंकः 182 पृष्ठः 08
मूल्यः 02 रूपया
स्थापितः वर्ष 2012
RNI-UPHIN/2012/46348

नवसत्ता

15वां वर्ष विश्वास का

www.navsatta.com लखनऊ व रायबरेली से एक साथ प्रकाशित तथा समस्त उत्तर भारत में प्रसारित हिन्दी दैनिक

गुजरात ने कई धरोहरों को संरक्षित किया है : पीएम मोदी

एजेंसी

अहमदाबाद, 12 मार्च (नवसत्ता) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अहमदाबाद में 85 हजार करोड़ रुपए की रेल प्रोजेक्ट का इनॉगरेशन किया। उन्होंने देशभर के विभिन्न राज्यों से चलने वाली 10 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने साबरमति आश्रम में कोचरब आश्रम का उद्घाटन किया और गांधी आश्रम स्मारक के मास्टर प्लान का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा- पूज्य बापू का ये साबरमती आश्रम हमेशा से ही एक अप्रतिम ऊर्जा का जीवंत केंद्र रहा है। जब-जब यहां आने का अवसर मिलता है, तो बापू की प्रेरणा हम अपने भीतर स्पष्ट रूप से अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने कहा- आज 12 मार्च की ऐतिहासिक तारीख भी है। आज के ही दिन बापू ने स्वतंत्रता आंदोलन की धारा को बदला और दांडी यात्रा इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हो गई। सत्य-अहिंसा के आदर्श हों, राष्ट्र आराधना का संकल्प हो या गरीबों-वंचितों की सेवा करते हुए नारायण के दर्शन की भावना हो, साबरमती आश्रम आज भी बापू के इन मूल्यों को जीवित रखे हुए है।अभय घाट में अपने संबोधन में उन्होंने कहा- साबरमती आश्रम 120 एकड़ में फैला था, जो धीरे-धीरे अतिक्रमण के चलते 5 एकड़ जमीन में सिमट गया था। एक समय यहां छोटे-बड़े 63 घर बन

गए थे। हमने यहां की 55 एकड़ जमीन मुक्त करवाई। पहले की सरकारों ने यहां की विरासत को बचाने की कोशिश ही नहीं की। इसका कारण उनकी तुष्टीकरण की नीति थी। इसी के चलते हमारे देश की महान धरोहर ऐसे ही तबाह होती चली गई। अतिक्रमण, अस्वच्छता और अव्यवस्था ने हमारे देश की महान विरासत को घेर रखा था, जिसे मुक्त कराने का हमारा अभियान जारी है।मैं काशी का उदाहरण देता हूं। वहीं, 10 साल पहले क्या हालत थी, यह सभी जानते हैं। आज की हालत आप देख सकते हैं। आज वहां अनेक प्रकार की सुविधाएं खड़ी हो गई हैं। दो साल में 12 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु काशी आए हैं। इसी तरह अयोध्या में हमने 200 एकड़ जमीन को मुक्त कराया। आज वहां कई सुविधाएं खड़ी कर दी गई हैं। इसी के चलते पिछले 50 दिनों में ही 1 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु ने अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन किए। गुजरात ने कई धरोहरों को संरक्षित किया है। मैंने आजादी से जुड़े स्थानों के विकास के लिए अभियान शुरू किया था। दिल्ली राजपथ ने अपना यह कर्तव्य भी निभाया है। एकतानगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण हो चुका है। अब साबरमती आश्रम का विकास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 10 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। ये ट्रेनें अहमदाबाद -मुंबई सेंट्रल, सिकंदराबाद -विशाखापत्तनम, मैसूरु - डॉ एमजीआर सेंट्रल (चेन्नई), पटना-लखनऊ, न्यू जलपाईगुड़ी-पटना, पुरी-विशाखापत्तनम, लखनऊ - देहरादून, कलबुर्गी - सर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरु, रांची-वाराणसी, खजुराहो- दिल्ली (निज़ामुद्दीन) रूट पर चलेंगीं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा, मैं देश को यह गारंटी दे रहा हूं कि अगले पांच साल में आप भारतीय रेल का ऐसा काया कल्प होते देखेंगे जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी। 10 साल का काम अभी तो ट्रेलर है, मुझे तो और आगे जाना है। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक युवा देश है। यहां पर बड़ी संख्या में युवा आबादी रहती है।

यूपी को तीन नई वंदे भारत की सौगात, एक को विस्तार, सीएम योगी ने जताया आभार

लखनऊ- आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से भारतीय रेलवे की 85 हजार करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी लखनऊ में अपने सरकारी आवास से वर्चुअली इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश में तीन नई वंदे भारत ट्रेनें शुरू करने के साथ ही लखनऊ-गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन को प्रयागराज तक विस्तार देने के लिए पीएम मोदी का आभार जताया। उल्लेखनीय है कि पीएम मोदी ने देश को 10 नई वंदे भारत ट्रेनों की सौगात दी है। इनमें पीएम ने लखनऊ-देहरादून, पटना-लखनऊ और रांची-वाराणसी के लिए भी वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। वहीं, गोरखपुर-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस का एक्सटेंशन प्रयागराज तक किया गया है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएम मोदी का आभार जताते हुए लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आज राष्ट्र के विकास को रफ्तार देतीं 85 हजार करोड़ रुपए से अधिक लागत की विभिन्न रेल परियोजनाओं के लोकार्पण/शिलान्यास कार्यक्रम में लखनऊ से वर्चुअल माध्यम से सहभाग किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री जी ने पटना-लखनऊ, लखनऊ-देहरादून, रांची-वाराणसी सहित देश के लिए 10 नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के शुभारंभ के साथ ही गोरखपुर-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को प्रयागराज तक विस्तार प्रदान किया। देश में माल परिवहन की सुगमता के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की माल गाड़ियों को हरी झंडी भी दिखाई।

नगर विकास के कार्यों को सबने माना लोहा

नगर विकास विभाग की 11 हजार करोड़ रुपये की 3419 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है, जो विकास भी करता है और विरासत को संरक्षित भी करता है। युवाओं के आजीविका की व्यवस्था करता है और आमजन की आस्था को सम्मान भी देता है। प्रदेश में सुरक्षा का बेहतर माहौल देता है तो प्रदेश को समृद्धि के नित नए सोपान की ओर से अग्रसर करने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य भी करता है।

नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की इस गति में जब प्रदेश का हर नागरिक सहभागी बनता है, तब पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प की प्रतिपूर्ति होती है। हर भारतवासी का संकल्प होना चाहिए कि हमारा देश विकसित भारत बने। 2017 में 24 फीसदी आबादी नगरीय क्षेत्रों में रहती थी, आज यह आबादी 30 फीसदी है और आने वाले पांच वर्ष में उप्र में यह आबादी 40 फीसदी पहुंचने वाली है। सीएम ने कहा कि पहले लोग केवल

मनुष्य को कहते थे कि बड़ा स्मार्ट बन रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री ने सिटी को भी स्मार्ट बना दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में नगर विकास विभाग की 11 हजार करोड़ रुपये की 3419 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। सीएम ने यहां प्रदर्शनी-स्टॉल का अवलोकन कर नगर विकास विभाग की मार्गदर्शिका का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया। सीएम ने कहा कि पहली बार नगर विकास विभाग की ओर से इतने बड़े पैमाने पर योजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास हो रहा है। सात साल पहले नगर विकास विभाग का जितना बजट था, उसका तीन गुना केवल एक साथ लोकार्पित-शिलान्यास हो रहा है। सीएम ने बताया कि 112 नए नगर निकायों का गठन हुआ। तीन नए नगर निगम भी बनाए गए। नगर पालिका परिषद व नई नगर पंचायतें गठित हुईं। उनके क्षेत्रफल को बढ़ाया गया। स्मार्ट सिटी व अमृत मिशन के साथ ही ऐसी तमाम स्कीमें लाई गईं, जिनकी ईज ऑफ लिविंग के लक्ष्य को प्राप्त करने में बड़ी भूमिका है। पहले लोग केवल मनुष्य को कहते थे कि बड़ा स्मार्ट बन रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री ने सिटी को भी स्मार्ट बना दिया। भारत सरकार के सहयोग से 10 और राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत सात नगर निगम समेत यूपी के कुल 17 नगर निगम स्मार्ट सिटी बन रहे हैं।

एसबीआई ने चुनाव आयोग को भेजी इलेक्टोरल बॉन्ड की रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता) भारतीय स्टेट बैंक ने आज को इलेक्टोरल बॉन्ड्स का पूरा डेटा चुनाव आयोग को भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को सोमवार को फटकार लगाते हुए चुनावी बॉन्ड संबंधी जानकारी देने के लिए समयसीमा को बढ़ाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया था कि एसबीआई 12 मार्च को कामकाजी घंटे खत्म होने तक इलेक्टोरल बॉन्ड की पूरी जानकारी चुनाव आयोग को दे। उसी के मुताबिक एसबीआई ने मंगलवार शाम साढ़े पांच बजे तक इलेक्टोरल बॉन्ड का पूरा डेटा चुनाव आयोग को भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने चुनाव आयोग को भी एसबीआई द्वारा साझा की गई जानकारी 15 मार्च को शाम पांच बजे तक अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करने का निर्देश दिया है। इसलिए अब जब एसबीआई द्वारा डेटा चुनाव आयोग को भेज दिया गया है तो इसे 15 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर पब्लिश करना होगा। सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल थे। बेंच ने एसबीआई को नोटिस देते हुए कहा कि यदि बैंक उसके निर्देशों और समयसीमा का पालन करने में विफल रहता है तो कोर्ट अपने 15 फरवरी के फैसले की जानबूझकर अवज्ञा करने के लिए उसके खिलाफ कार्रवाई कर सकती है। बता दें कि पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने 15 फरवरी को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए केंद्र की चुनावी बॉण्ड योजना को रद्द कर दिया था। साथ ही इसे असंवैधानिक करार देते हुए निर्वाचन आयोग को चंदा देने वालों, चंदे के रूप में दी गई राशि और चंदा प्राप्तकर्ताओं का आज तक खुलासा करने का आदेश दिया था।

जनता को समर्पित हुआ ट्रैफिक रिसर्च इंस्टीट्यूट

संवाददाता

रायबरेली, 12 मार्च (नवसत्ता)। इंस्टीट्यूट फॉर ड्राइविंग एंड ट्रैफिक रिसर्च (आईडीटीआर) का शुभारंभ आज परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह किया। वे वर्चुअल माध्यम से आईडीटीआर का जनता को समर्पित किया।

करीब 20 करोड़ की लागत से हरचंदपुर के दतौली में यह भवन तैयार होने के बाद स्टाफ और प्रशिक्षण के लिए उपकरणों की व्यवस्था पहले ही हो चुकी थी।

बछरावां में नवनिर्मित बस स्टेशन बछरावां का लोकार्पण भी हुआ। एआरटीओ (प्रशासन) आरके सरोज ने बताया कि हरचंदपुर क्षेत्र के दतौली में 20 करोड़ की लागत से यूपी सिडको ने भवन का निर्माण किया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से व्यावसायिक और निजी वाहन चालकों को ट्रेनिंग देने के लिए पहले ही मंजूरी मिल चुकी थी। यहां जिले के सभी ड्राइविंग लाइसेंस संस्थान में ही बनेंगे। पड़ोस के सभी जिलों के व्यावसायिक ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण से पहले लोगों को यहां से तीन दिन की ट्रेनिंग लेनी होगी।

सुविधा परिवहन निगम के मुख्यालय में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का भी हुआ उद्घाटन

अब और सुरक्षित व सुलभ होंगी यूपी रोडवेज की बसें

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों को और सुलभ व सुरक्षित बना दिया है। इसके तहत योगी सरकार ने मंगलवार को निगम मुख्यालय स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर का उद्घाटन किया। इस कमांड कंट्रोल सेंटर के माध्यम से बसों की लाइव लाइव ट्रैकिंग, आपात स्थिति में रियलटाइम लोकेशन पर तत्काल सहायता समेत पैनिक बटन के अलर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इससे निगम की बसों को और अधिक सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। मंगलवार को निगम द्वारा 3067 करोड़ रुपए की लागत से दस बस स्टेशनों के नव निर्माण और पुनर्निर्माण के कार्य का शिलान्यास किया गया, जबकि 1048 करोड़ की लागत से बने कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और तीन अन्य बस स्टेशन का लोकार्पण भी किया गया। परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निगम मुख्यालय के सभागार कक्ष में इन सभी परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि कंट्रोल एंड कमांड सेंटर की स्थापना से मुख्यालय में परिवहन निगम की बसों की लाइव ट्रैकिंग उपलब्ध रहेगी। किसी आकस्मिक स्थिति में वास्तविक लोकेशन उपलब्ध रहने से तत्काल सहायता पहुंचाना संभव हो सकेगा। यात्रा के दौरान किसी अप्रिय स्थिति में यात्री द्वारा वाहन में स्थापित पैनिक बटन प्रेस करने पर निगम मुख्यालय स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर एवं संबंधित क्षेत्रीय कंट्रोल रूम में पैनिक अलर्ट प्रदर्शित होगा। कमांड कंट्रोल सेंटर तथा क्षेत्रीय कंट्रोल रूम में मॉनीटरिंग के लिए 24×7 आधार पर उपलब्ध कार्मिक द्वारा कंट्रोल रूम में अलर्ट प्राप्त होने पर त्वरित निदान के लिए निर्धारित एसओपी के अनुसार कार्यवाही की जाएगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि इस सुविधा से लोगों को काफी राहत मिलेगी।

डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर दिये निर्देश

संवाददाता

अमेठी, 12 मार्च (नवसत्ता)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिला मजिस्ट्रेट निशा अनंत ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत उड़न दस्ता टीम (एफएसटी) एवं स्थैतिक निगरानी टीम (एसएसटी) के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव की घोषणा करते ही पूरे जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो जाएगी उसके उपरांत एफएसटी/एसएसटी टीमें अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय होकर भारी मात्रा में ले जाने वाली नगदी अवैध शराब, कोई संदेहास्पद वस्तु या शस्त्र इत्यादि की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखेंगी। उपरोक्त चीजें पाए जाने पर निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने एफएसटी/एसएसटी टीमों के अधिकारियों से निर्वाचन आयोग द्वारा दिए गए निर्देशों का भली-भांति अध्ययन करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी न्यायिक दिनेश मिश्रा वरिष्ठ कोषाधिकारी रामेंद्र सिंह, जिला आबकारी अधिकारी अखिलेश आर्य, ई डिस्टिक मैनेजर अमित विश्वकर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्र की जनता के अधिकार के लिए बड़ा से बड़ा निर्णय लेने में नहीं चूकूंगा:मनोज पाण्डेय

संवाददाता

रायबरेली, 12 मार्च (नवसत्ता)। ऊंचाहार विधायक/पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने आज ग्राम पंचायत इटैली, मतरमपुर सूहापार, बड़ागांव हमीदपुर, सरेनी चितऊ का पुरवा आदि ग्राम पंचायतों में लगभग 2 करोड़ रूपये से अधिक की लागत से इंटरलाकिंग मार्गो का लोकार्पण किया, इस अवसर पर आयोजित विशाल सभा को सम्बोधित करते हुये श्री पाण्डेय ने कहा कि आज अखण्ड भारत को रखने के लिए बड़ी सोच के नेताओं की आवश्यकता है श्री पाण्डेय ने कहा कि केवल अपने लिए जीने वाले और अपने लिए काम करने वाले जैसे लोगों की देश को आवश्यकता नहीं है, बल्कि आज जो सबको समेट कर लेकर चल सके आज ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है। श्री पाण्डेय ने कहा कि ऊंचाहार की

जनता उनका परिवार और उनकी ताकत है। श्री पाण्डेय ने कहा कि क्षेत्र के विकास और जनता को खुशहाली देने के लिए वह बड़ा से बड़ा निर्णय लेने में न हिचकें हैं और न हिचकेंगे क्षेत्र की जनता उनकी पूंजी है। श्री पाण्डेय ने इशारों-इशारों में विरोधियों से कहा कि जो लोग आज वफादारी की बात करते हैं वह जरा अपने गिरेबान में झांककर देखें कि चुनाव के समय वह किस तरह चोला बदल कर चन्द कागज के टुकड़ों के लिए अपने को खरीदने व बेंचने का काम करते थे समाज व जनता के बीच में उनके चेहरे बेनकाब हो चुके हैं।

श्री पाण्डेय ने कहा कि जनता और राम दोनों के बीच में कोई भी बाधा स्वीकार नहीं, श्री पाण्डेय ने कहा कि लगातार जनता के बीच में रहकर जनता का काम करते हैं और सदैव करते रहेंगें।इस अवसर पर प्रधान दिनेश पटेल प्रधान अम्बिका पटेल, प्रधान सुरेश लोधी, विन्देश्वरी पासी, सुखराम पासी, क्षेत्र पंचायत सदस्य मंगरे रैदास प्रधान संतोष यादव, प्रधान पवन तिवारी, प्रधान मनीष सिंह, प्रधान मनोज पटेल, छोटे लाल पाण्डेय दिवाकर त्रिपाठी, अरूण पाण्डेय अरूण सिंह इत्यादि प्रमुख रहे।

ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ लामबंद हुए सदस्य

बाराबंकी,12मार्च (नवसत्ता)। निंदूरा ब्लॉक प्रमुख के खिलाफ क्षेत्र पंचायत सदस्य लामबंद हो गए हैं। सोमवार को डीएम कार्यालय पहुंचे 114 में 88 सदस्यों ने अपने हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा, जिस पर डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं।क्षेत्र पंचायत सदस्यों ने डीएम को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि वह ब्लॉक प्रमुख की कार्यप्रणाली से सहमत नहीं हैं। वह विकास कार्यों की अनदेखी कर रहे हैं।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

संवाददाता

भादर-अमेठी, 12 मार्च (नवसत्ता)। रामगंज थाना क्षेत्र से गुजरने वाले अयोध्या- प्रयागराज हाईवे पर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में घायल युवक ने उपचार के दौरान अस्पताल में दम तोड़ दिया। युवक के मौत की सूचना पर पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच व कार्रवाई में जुटी है। रामगंज थाने के कुरंग गांव निवासी अनुज कुमार यादव (22) बाइक से औझी गांव के पास स्थित अपनी पोल्ट्री फार्म जा रहे थे। रास्ते में अयोध्या- प्रयागराज हाईवे स्थित शारदा सहायक खंड-49 नहर के पुल पर प्रतापगढ़ से सुल्तानपुर जा रही कार बाइक को टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गई।

दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल अनुज को लोगों ने सीएचसी पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन अनुज को लेकर ट्रॉमा सेंटर जा रहे थे कि रास्ते में मौत हो गई। परिजन की तहरीर पर कार चालक के खिलाफ केस दर्ज किया।

पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेते हुए वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी। अनुज की मौत के बाद परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक बाइक चालक अनुज ने दुर्घटना के समय हेलमेट नहीं लगाया था।

शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए निकला गया फ्लैग मार्च

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 12 मार्च (नवसत्ता)। एक तरफ भारत सरकार द्वारा सीसीए का नोटिफिकेशन, वहीं दूसरी तरफ होली, रमजान और लोकसभा के चुनाव सामने हैं। जिसके चलते पुलिस के लिए शांति व्यवस्था बनाए रखना एक चुनौती भरा कदम है। समाज में शांति व्यवस्था कायम रहे, इसको लेकर सोमवार की रात और मंगलवार दिन में पुलिस उपाधीक्षक एके सिंह, तहसीलदार मंजुला मिश्रा और प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह की अगुवाई में पैरामिलिट्री फोर्स के जवानों ने लालगंज कस्बा ,बहाई और सेमर पहा में फ्लैग मार्च निकाला। प्रभारी निरीक्षक शिव शंकर सिंह ने कहा कि फ्लैग मार्च का उद्देश्य असामाजिक तत्वों को सावधन एंव शांति प्रिय अवाम में कानून के प्रति जिम्मेदारियों का एहसास कराना है। इस फ्लैग मार्च

में पुलिस अधिकारी और शस्त्र से लैस एसएसबी बल के जवान शामिल थे। पुलिस का काफिला एक किलोमीटर की लंबी कतार में थाना परिसर से फ्लैग मार्च करते हुए निकला और

इस फ्लैग मार्च में पुलिस अधिकारी और शस्त्र से लैस पुलिस बल के जवान शामिल थे। फ्लैग मार्च में शामिल प्रशिक्षित महिला पुलिस भी बड़ी तादाद में शामिल थी। इस अवसर पर नेतृत्व कर रहे सीओ और तहसीलदार ने शांति बनाए रखने के लिए हर वर्ग से सहयोग की अपील की। दोनों प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर के लोगों से अपील किया कि वे किसी प्रकार की अफवाह एवं भ्रामक खबरों से सावधान रहें। साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले मैसेज को फारवर्ड करने से परहेज करें। जिला प्रशासन एंव पुलिस विभाग सोशल मीडिया पर बारीकियों के साथ नज़र रख रही है।विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन 24 घण्टा सक्रिय है। अप्रिय सूचना मिलते ही नजदीकी थाने को सूचना दें। इस मौके पर पैरामिलिट्री फोर्स एस एस बी के उप निरीक्षक सतपाल सहित सैकड़ो पुलिस बल मौजूद रहा।

ब्लैक लिस्ट होने के कगार पर खड़ी कंपनी छह महीने और करेगी काम

संवाददाता

झांसी, 12 मार्च (नवसत्ता)। ड्राइविंग लाइसेंस की डिलीवरी में लगातार लेटलतीफी करने वाली स्मार्ट चिप कंपनी अब छह महीने और काम करेगी। जबकि कंपनी पर कई बार परिवहन मुख्यालय जुर्माना लगा चुका है। जुर्माने की रकम अधिक होने पर कंपनी ब्लैक लिस्ट के कगार पर आकर खड़ी हो गई थी। अफसरों ने बताया कि नई कंपनी के चयन की समय से टेंडर प्रक्रिया नहीं होने से यह फैसला किया गया है। स्मार्ट ड्राइविंग लाइसेंस बनाने का जिम्मा स्मार्ट चिप प्राइवेट लिमिटेड को सौंपा गया था। कंपनी के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण आवेदकों को समय पर लाइसेंस प्राप्त नहीं हो पा रहे थे। इसके चलते कंपनी पर कई बार जुर्माना लगाया गया था। फरवरी में कंपनी का अनुबंध समाप्त कर टेंडर प्रक्रिया होनी थी। लेकिन परिवहन मुख्यालय से समय पर टेंडर प्रक्रिया आयोजित नहीं की गई। आरटीओ प्रभात पांडेय ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया नहीं होने पर स्मार्ट चिप कंपनी का कार्यकाल छह माह के लिए बढ़ाया गया है। हालांकि लेट लतीफी के कारण कंपनी पर करोड़ों रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है।

युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

झांसी, 12 मार्च (नवसत्ता)। नवाबाद थाना इलाके में एक युवक की संदिग्धावस्था में मौत हो गई। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। जबकि, पुलिस का कहना है कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। महोबा के चरखारी निवासी फूलसिंह (33) झांसी में करगुवांजी में किराए पर कमरा लेकर रहता था। वह यहां एक डॉक्टर की गाड़ी चलाता था। जबकि, उसका एक भाई धर्मेंद्र और भतीजा मनीष मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल की मैस में काम करते हैं। भाई किशोरी लाल ने बताया कि रविवार शाम को फूलसिंह का मकान मालिक भाई धर्मेंद्र के पास आया और बताया कि फूलसिंह ने फांसी लगा ली है।

शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक में लोकसभा प्रत्याशी को लेकर हुआ विचार विमर्श

संवाददाता

रायबरेली, 12 मार्च (नवसत्ता)। शहर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक कांग्रेस कार्यालय तिलक भवन में शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए शहर अध्यक्ष धीरज श्रीवास्तव ने कहा कि रायबरेली जनपद का जितना विकास श्रीमती सोनिया गांधी जी ने किया है, वह हमेशा याद रखा जायेगा, यह हम सबका सौभाग्य था कि हम सभी ने उनके लिए कार्य किया, उन्होंने कहा कि हम सभी को यह विश्वास है कि श्रीमती सोनिया गांधी जी के बाद गांधी परिवार का ही व्यक्ति जनपद का नेतृत्व करेगा, हम सभी की इच्छा है कि प्रियंका गांधी जी यहां से चुनाव लड़े और अपने विरोधियों को करारी शिकस्त दें।

नगर पालिका अध्यक्ष शत्रोहन सोनकर ने कहा कि विरोधियों द्वारा

बराबर लोकसभा चुनाव को लेकर एक भ्रम फैलाया जा रहा है, जो निर्रथक है, गांधी परिवार ही रायबरेली से चुनाव लड़ेगा, यह निश्चित है और भाजपा प्रत्याशी की जमानत जब्त होगी, क्यूंकि जनता गांधी परिवार और कांग्रेस के साथ है।

कांग्रेस प्रवक्ता महताब आलम ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर विशेष चर्चा की गई, बूथ स्तर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तैयार रहने को बोल दिया गया है, कांग्रेस के गढ़ रायबरेली में कांग्रेस पूरी तरह से मजबूत है, और लोकसभा चुनाव के लिए तैयार है।

बैठक में मुख्यरुप से आशीष द्विवेदी, मुन्ना घोसी, सूर्य कुमार बाजपेयी, लालआशकिरन प्रताप सिंह, सर्वोत्तम मिश्रा, प्रमोद पाण्डेय, संजीव शुक्ला, हरमिन्दर सिंह सलूजा, हाजी उस्मान, मनीष सोनकर, संजय श्रीवास्तव, सुनील कुमार, मनोज त्रिवेदी, अमित मिश्रा, संयज शुक्ला, जगदम्बा बाजपेयी, मनोज मिश्रा, सै.अरशद अली, जीतू तिवारी, राशिद अंसारी, मो.सुहैल, अंशुमान गांधी, महेश्वर सिंह, पोलू, शान जैदी, मुकेश श्रीवास्तव, यज्ञदेव, शैलेन्द्र गुप्ता, सुमित कुमार विमल, मो.सलीम, विक्रम पटेल सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

जनपद में गठित सोशल मीडिया टीम को दिया गया प्रशिक्षण

संवाददाता

अमेठी, 12 मार्च (नवसत्ता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के परिप्रेक्ष्य में जनपद में गठित मीडिया/सोशल मीडिया टीम के सदस्यों को प्रशिक्षण अतिरिक्त मजिस्ट्रेट मोहम्मद असलम की अध्यक्षता में निर्वाचन कार्यालय के सभागार में दिया गया।

प्रशिक्षण में अतिरिक्त मजिस्ट्रेट ने बताया कि प्रिन्ट मीडिया, इलेक्ट्रानिक मीडिया एवं सोशल मीडिया की निगरानी हेतु जिला स्तर पर मीडिया प्रमाणीकरण अनुश्रवण समिति का गठन किया गया है, समिति द्वारा पेड न्यूज, विज्ञापन व प्रचार सामग्री सहित किसी भी प्रकार की मीडिया द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने वाली

गतिविधि पर नजर रखी जायेगी। सभी कमेटी के सदस्य व जिले के अधिकारी स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हेतु कटिबद्ध है।

उन्होने कहा कि आचार संहिता की घोषणा के बाद उक्त टीम का कार्य शुरू हो जायेगा। प्रशिक्षण के दौरान टीम के सदस्यों को लोकसभा सामान्य निर्वाचन के दौरान एमसीएमसी तथा पेड न्यूज के सम्बन्ध में की जाने वाली कार्यवाही के बारे में जानकारी विस्तृत रूप से दी गयी।

बड़े भाई की धारदार हथियार से हमला कर हत्या

बहराइच,12 मार्च (नवसत्ता)। जिले के कोतवाली देहात क्षेत्र में सोमवार रात को बड़े भाई की छोटे भाई ने धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। मामले की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली देहात के टिकोरा मोड़ निवासी हरी चंद्र यादव (35) पुत्र राम पाल से सोमवार को छोटे भाई मौजी यादव से विवाद हुआ था। ग्रामीणों के मुताबिक शराब के नशे में हुए विवाद में दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई।

छोटे भाई ने बड़े भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया जिससे वह घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। परिवार के लोग रात 11 बजे के आसपास घायल हरी चंद्र को लेकर मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर डॉक्टर ने हरी चंद्र को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक बीके मिश्रा ने बताया की आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

संवाददाता

अमेठी, 12 मार्च (नवसत्ता)। जिलाधिकारी निशा अनंत व पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार ने आज संयुक्त रूप से कस्बा जायस में मतदान केंद्रों तथा गौरीगंज में महिला थाना का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम डीएम व एसपी ने कस्बा जायस क्षेत्र के मलिक मोहम्मद भारतीय इंटरमीडिएट कॉलेज

जायस, राजकीय इंटर कॉलेज जायस व प्राथमिक विद्यालय जायस में बने मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को वहां पर बिजली, पानी, रैंप, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने गौरीगंज में महिला थाना का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने थाना एएचटीयू व नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आईडेंटिफिकेशन सिस्टम सेल तथा कार्यालय में लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

होली पर कोटे की दुकानों पर सस्ती चीनी 15 से

अमेठी, 12 मार्च (नवसत्ता)। जिले के 70234 अंत्योदय कार्ड धारकों की इस बार होली की गुझिया की मिठास ज्यादा महसूस होगी। उन्हें जनवरी माह से अब तक की चीनी मुहैया कराई जाएगी। इसका वितरण 15 मार्च से 29 मार्च तक किया जाएगा। अंत्योदय कार्डधारकों को यह चीनी 18 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से मार्च माह में वितरित होने वाले निःशुल्क राशन के साथ मुहैया कराई जाएगी।

चौहान गुट ने लावारिस शव का करवाया दाह संस्कार

संवाददाता

रायबरेली, 12 मार्च (नवसत्ता)। जनपद में एक इकलौता व्यापार मंडल चौहान गुट ही है जो एक वर्ष से अधिक समय से जनपद में लावारिश शवों का निशुल्क अंतिम संस्कार करवाने का काम करता है। आज चौहान गुट टीम ने 113वीं लाश का अंतिम संस्कार बैकुंठ धाम मुंशीगंज में करवाया। विगत दिनों मिल एरिया थाने के अंतर्गत एक लावारिश शव मिला जिसको लेकर पुलिस ने उनके परिजनों की काफी खोजबीन के बाद जब परिजन नहीं मिले तो लावारिस शव को अंतिम संस्कार हेतु मिल एरिया थाना एसआई सौरभ बालियान ने व्यापार मंडल चौहान गुट प्रदेश अध्यक्ष से संपर्क किया। पोस्टमार्टम करवाने के बाद लावारिश शव का अंतिम संस्कार कांस्टेबल राजू सैनी, पीएनओ 20235158, थाना मिल एरिया रायबरेली की मौजूदगी में करवाया गया। जिला मीडिया प्रभारी इम्तियाज खान ने बताया कि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल चौहान गुट पिछले एक वर्ष से अधिक समय से जनपद में मिलने वाली लावारिस लाशों का निशुल्क रूप से अंतिम संस्कार करवाता है। लावारिश लाश पुरुष की हो या महिला की, हिंदू की हो या मुसलमान की उसको उसी के धर्म के हिसाब से अंतिम संस्कार करवाने का काम करता है चौहान गुट। अभी विगत दिनों पहले एक नवजात मासूम बच्ची के शव को भी दफनाने का चौहान गुट द्वारा कार्य किया गया। दुधमुही बच्ची को दफनाते समय उस वक्त मौजूद सभी लोगों की आंखें नम हो गई थी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जी सी सिंह चौहान के साथ जिलाध्यक्ष मो. उमर, जिला मीडिया प्रभारी इम्तियाज खान, जिला इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी वसीम खान गुड्डू, निलेश आदि लोग मौजूद रहे।

मिलवाटी खाद्य पदार्थ बेचने वालों पर करें कार्रवाई: जिलाधिकारी

संवाददाता

अमेठी, 12 मार्च (नवसत्ता)। होली त्योहार से पहले जिले में मिलावटी खाद्य पदार्थों के निर्माण व बिक्री पर रोक लगाने के लिए डीएम ने समीक्षा बैठक की। डीएम ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन समिति सदस्यों को होटलों/रेस्टोरेंटों में अधिक से अधिक नमूने संकलित कर जांच कराने व मिलावट करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

डीएम निशा अनंत ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के अफसरों को अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा नमूने संकलित कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने को कहा। कहा कि जांच में मिलावट की पुष्टि होने पर दंडात्मक कार्रवाई करें। अभिहित अधिकारी राजेश द्विवेदी ने बताया कि

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अब तक 165 विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापा मारकर 169 नमूने संग्रहित किए हैं।

ड्रग निरीक्षक ने बताया कि ड्रग विभाग द्वारा बगैर लाइसेंस संचालित सात मेडिकल स्टोरों पर छापा मारकर कार्रवाई की । गई जिसमें से 6 के विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर किया गया। समीक्षा के बाद डीएम ने डीएम ने मिलावट को लेकर होटल, ढाबा, रेस्टोरेंट, मेडिकल स्टोर, बेकरी, आटा चक्की, ऑयल मिल, दूध कलेक्शन सेंटर के साथ ही विद्यालयों में मिड-डे-मील के अधिक से अधिक नमूने संकलित कर जांच कराने के निर्देश दिए। अवैध मीट/मुर्गा की दुकानों पर अभियान चलाकर छापेमारी करने के साथ निरीक्षण रजिस्टर पर आख्या को अनिवार्य रूप से अंकित करने को कहा।

बैठक के दौरान एडीएम राजस्व अर्पित गुप्ता, अभिहित अधिकारी राजेश कुमार द्विवेदी, सीओ गौरीगंज मयंक द्विवेदी, बीएस संजय तिवारी आदि मौजूद रहे।

घर से नगदी सहित एक लाख का सामान चोरी

बिंदकी,12 मार्च (नवसत्ता)। परिवार के लोग सोते रहे चोर कुंडी तोड़कर कमरे में रखा बक्से का ताला तोड़कर नगदी, सोने-चांदी के जेवर सहित एक लाख रुपये का सामान चोरी कर ले गए।

कोतवाली क्षेत्र के रारी बुजुर्ग गांव में चोर रविवार की रात फहीम अहमद के घर के दरवाजे की कुंडी तोड़कर घुसे। घर के बरामदे व कमरे में परिवार के लोग सो रहे थे। चोर कमरे में गए और यहा रखा बक्सा गांव से 500 मीटर दूर नलकूप के पास ले गए।

चोरों ने बक्से की कुंडी, ताला तोड़कर 50 हजार रुपये, सोने-चांदी के जेवर व कपड़ों सहित एक लाख रुपए की संपत्ति चोरी कर ले गए। सोमवार की सुबह पीड़ित ने मामले की सूचना कोतवाली पुलिस को दी। एसआई रमेश कांत त्रिपाठी ने बताया कि मौके पर जांच-पड़ताल की गई है। अभी तक पीड़ित पक्ष ने कोई तहरीर नहीं दिया है। मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है।

वृद्धा को ट्रैक्टर-ट्राली ने कुचला, मौके पर ही मौत

संवाददाता

बलरामपुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। गोंडा- उतरौला रोड पर गुमड़ी विशेनपुर के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने वृद्धा को रौंद दिया। इससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वृद्धा 11 मार्च को सड़क हादसे में मृत युवकों के परिजनों से मिलकर वापस जा रही थी।

गुमड़ी विशेनपुर में 11 मार्च को सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गई थी। मंगलवार की सुबह करीब दस बजे ग्राम अगया बुजुर्ग गोकुलनगर निवासिनी गेंदा (65) मृतकों के परिजनों को सांत्वना देने आई थी। यहां से वह अपने घर जा रही थी। इसी बीच गुमड़ी विशेनपुर के पास गोंडा से उतरौला की तरफ आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने गेंदा को रौंद दिया। घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आस-पास मौजूद ग्रामीणों ने ट्रैक्टर चालक को पकड़ लिया और घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर चालक को हिरासत में ले लिया है।

व्यापार मंडल के सहयोग से हुआ निर्धन कन्या का धूमधाम से विवाह

संवाददाता

लालगंज-रायबरेली, 12 मार्च (नवसत्ता)। व्यापार मंडल के सहयोग से एक गरीब कन्या के हाथ पीले किये गये। जिसमें समाजसेवी सुधा द्विवेदी का भी विशेष सहयोग रहा। सम्पूर्ण विवाह धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ जिसमें व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारियों ने सहयोग प्रदान किया।

नगर व्यापार मंडल की ओर से निर्धन कन्या के विवाह कार्यक्रम में तहत एक बिटिया के हांथ पीले किये गए। आयोजित समारोह में नगर अध्यक्ष राहुल भदौरिया की अगुवाई में व्यापार मंडल के सदस्यों व समाज के महनीय लोगों ने उत्साह से भाग लिया। गरीब कन्याओं के विवाह को लेकर व्यापार मंडल की इस पहल को लोगों ने जमकर सराहना की।

कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची समाजसेवी व सरेनी विधानसभा की

पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी सुधा द्विवेदी ने कन्या को आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि गरीब कन्याओं का विवाह करना सबसे बड़ा यज्ञ है। व्यापार मंडल के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि श्री फाउडेशन हर संभव मदद के लिए सदैव तत्पर है। सभी को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़ कर भागीदारी रखनी चाहिए।

इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष राहुल भदौरिया, प्रभारी अनिल गुप्ता बीरेंद्र शुक्ला, राघवेंद्र सूर्यवंशी संरक्षक राजू तिवारी, राहुल गुप्ता किरण प्रचार मंत्री रमेश कौशल, अमन सोनी विनोद वर्मा ऋषि होंडा, सराफा अध्यक्ष अमरेश सोनी, दीपेंद्र रस्तोगी दीपू गुप्ता, पंकज सोनी, अभिनेश सोनी, मनोज भदौरिया, गुफरान शकील, चांदबाबू, विजय सोनकर बाराती, अखिलेश सिंह, संतोष मिश्रा महामंत्री, विपिन कोषाध्यक्ष, राकेश गुप्ता, रामू प्रजापति, डा. सलीम, विमल तिवारी, प्रमोद तिवारी, हरि शंकर श्रीवास्तव, प्रमोद मिश्रा, आकर्षण द्विवेदी, सत्यम मिश्रा, रितिज आदि

प्रदेश के 2.12 करोड़ परिवारों को मिलने लगा शुद्ध पेयजल : सीएम योगी

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि राज्य में आज दो करोड़ 12 लाख से अधिक परिवारों के लिए शुद्ध पेयजल का सपना साकार हुआ है। योगी ने एक उच्चस्तरीय बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 'हर घर नल-हर घर जल' के संकल्प के साथ प्रदेश के 2.65 करोड़ ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने का महाभियान चल रहा है।

जल जीवन मिशन के प्रारंभ से पूर्व मात्र 5.16 लाख परिवारों को ही नल से शुद्ध पेयजल की उपलब्धता थी। लगातार प्रयासों से आज दो करोड़ 12 लाख से अधिक परिवारों के लिए शुद्ध पेयजल का सपना साकार हुआ है। शेष घरों को भी पाइप्ड पेयजल की सुविधा मिले, ऐसे में इस कार्य को समयबद्धता के साथ चरणबद्ध रूप से पूरा किया जाए।उन्होंने कहा कि हर घर नल से जल पहुंचाने की यह योजना ईज ऑफ लिविंग के संकल्प को पूरा होने का सबसे बड़ा उदाहरण है। यह बड़े बदलाव का परिचायक है। यह मोदी की गारंटी है और मोदी की गारंटी यानी पूरा होने की गारंटी। योगी ने कहा कि बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में शुद्ध पेयजल एक सपना था। आज यह सपना साकार हो रहा है। यह दोनों ही क्षेत्र शीर्ष प्राथमिकता में है। अतिशीघ्र विंध्य-बुंदेलखंड के हर घर में नल से जल की सुविधा होगी। झांसी, ललितपुर, हमीरपुर, जालौन, बांदा, चित्रकूट, मीरजापुर, सोनभद्र सहित पूरे विंध्य-बुंदेलखंड में जल जीवन मिशन का कार्य आख़िरी चरण में प्रवेश कर गया है। अवशेष कार्यों को तेजी के साथ पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल केवल प्यास ही नहीं बुझाता, बल्कि अनेक बीमारियों से सुरक्षित भी रखता है। हमें जल के महत्व को समझना होगा। गांव-गांव में लोगों को समझाना होगा। जल संचय के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाए। जल समितियों को एक्टिव रखें। पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग लें।

नुक्कड़ नाटकों/लघु फिल्मों के माध्यम से लोगों में जागरूकता बढाएं। रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के लिए आम जन को जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन से 100 फीसदी संतृप्त गांवों का-हर एक घर का पारदर्शिता के साथ सत्यापन होना चाहिए। अगर एक भी उपभोक्ता असंतुष्ट है तो उनकी अपेक्षाओं को पूरा किया जाए। हमें स्थलीय निरीक्षण की व्यवस्था को और मजबूत करना होगा। हर गांव में प्रशिक्षित प्लम्बर की तैनाती कर दी जाए। उन्होंने कहा कि गर्मी का मौसम प्रारंभ हो रहा है। ऐसे में बुंदेलखंड और विंध्य क्षेत्र में पेयजल के वैकल्पिक प्रबंध कर लिए जाएं।

वर्षा कम होने के कारण जलाशयों में अपेक्षाकृत कम पानी है। हमें समय रहते इसके लिए व्यवस्था कर लेनी चाहिए। गर्मी में एक भी दिन एक भी परिवार को पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। योगी ने कहा कि पेयजल परियोजना के कारण जगह-जगह रोड की खुदाई हुई है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है, दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। कार्यदायी संस्था की यह जिम्मेदारी है कि कार्य समाप्ति के साथ ही सड़क की मरम्मत हो जाए। पेयजल परियोजना के कारण सड़क खराब न रहे। यदि ऐसा हुआ तो जवाबदेही तय की जाए।

गाजीपुर में बस अग्निकांड की जांच करेगी दो सदस्यीय टीम

संवाददाता

गाजीपुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश में गाजीपुर जिले के मरदह क्षेत्र में सोमवार को बस अग्निकांड की जांच के लिए दो सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गयी है। मुख्य विकास अधिकारी और अपर पुलिस अधीक्षक नगर की संयुक्त टीम घटना की सभी पहलुओं की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट दो दिन के अंदर जिलाधिकारी को सौंपेगी। जांच में दोषी पाये जाने पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही होगी। इस घटना से संबंधित सभी तथ्यों को मुख्यमंत्री कार्यालय और मुख्य सचिव को अवगत करा दिया गया है। इस हादसे में पांच यात्रियों की मृत्यु हो गयी थी जबकि एक अन्य महिला ने गाजीपुर में इलाज के दौरान दम तोड दिया था। मृतकों की पहचान उर्मिला, निर्मला (37), मुरारी (55) जगरनाथ (बस ड्राइवर) और कालिन्दी (44) के तौर पर की गयी है। गाजीपुर में उपचार के दौरान मृत महिला की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। सभी मृतकों के परिजनों को विद्युत विभाग की ओर से पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता धनराशि प्रदान की जायेगी। गौरतलब है कि 11 मार्च को ग्राम सुलेमापुर देवकली थाना मरदह तहसील सदर में 11000 वोल्ट की हाइटेंशन लाइन से टकरा कर बारातियों से भरी एक बस में आग लग गयी थी। बस में करीब 45 बाराती सवार थे। गम्भीर रूप से घायल कुल 10 व्यक्तियों को सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र, मरदह में इलाज के लिये भेजा गया, जहॉ से प्राथमिक उपचार करने के बाद चार लोगों को जिला चिकित्सालय मऊ रेफर किया गया जबकि चारगम्भीर एवं दो सामान्य रूप से घायल लोगो को गाजीपुर जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान एक महिला(अज्ञात) की मृत्यु हो गयी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा और मंत्री अनिल राजभर ने घटना स्थल पर पहुँचकर मृतक व्यक्तियों के परिजनों को ढाढस बंधाया और घायलों की सेहत का हाल जाना। उन्होने उत्तरदायी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरूद्ध कार्यवाही करने एवं पीड़ित परिवारों को सरकार की ओर से यथासम्भव मदद/सहायता दिये जाने का आश्वासन दिया।

सचिवालय कर्मियों के हेल्थ कार्ड बनाने हेतु लोक भवन में लगाया गया कैंप

संवाददाता

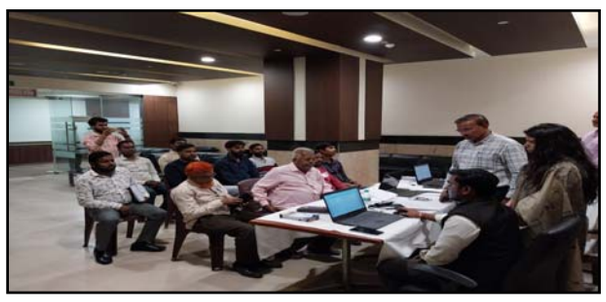

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के तहत सचिवालय कर्मियों के हेल्थ कार्ड बनाने हेतु साचीज द्वारा लोक भवन में कैंप लगाया गया और साचीज, लखनऊ की तकनीकी टीम द्वारा लाभार्थियों के कार्ड बनाए गए। कैंप के निरीक्षण के दौरान मुख्य सचिव के स्टॉफ ऑफिसर रवीन्द्र कुमार ने सचिवालय कर्मियों से इस कैंप का लाभ लेने की अपील करते हुए कहा कि सचिवालय कर्मियों की सुविधा के लिये सचिवालय में कैंप लगवाया गया है। उन्होंने कहा कि कैंप में कैशलेस स्वास्थ्य कार्ड बनवाकर योजना का लाभ उठायें। उन्होंने कहा कि उ0प्र0 सरकार द्वारा संचालित पं0 दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना के अन्तर्गत उ0प्र0 राज्य के सरकारी सेवकों तथा सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों एवं उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सीय सुविधा प्रदान किये जाने का प्रावधान है। यह सुविधा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत आबद्ध समस्त निजी चिकित्सालयों तथा उ0प्र0 राज्य के सरकारी चिकित्सालयों में उपलब्ध है। निजी आबद्ध चिकित्सालयों में प्रत्येक लाभार्थी परिवार को प्रतिवर्ष रूपये-पाँच लाख तक की कैशलेस चिकित्सा उपलब्ध है, जबकि उ0प्र0 राज्य के सरकारी चिकित्सा संस्थानो / चिकित्सालयों में बिना किसी वित्तीय सीमा के कैशलेस चिकित्सा उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के 5 हजार से अधिक (निजी एवं सरकारी) चिकित्सालय जो कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से आबद्ध है वह स्वतः ही पंडित दीनदयाल उपाध्याय राज्य कर्मचारी कैशलेस चिकित्सा योजना से भी आबद्ध है, जहाँ योजना के लाभार्थी चिकित्सीय लाभ प्राप्त कर सकते हैं। वर्तमान में योजनान्तर्गत अभी तक 30000 से अधिक लाभार्थी निजी एवं सरकारी चिकित्सालयों में योजना का लाभ ले चुके हैं। योजना सम्बन्धी विस्तृत जानकारी योजना के वेबसाइट sects.up.gov.in पर उपलब्ध है। इस अवसर पर अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी साचीज डा0 पूजा यादव भी उपस्थित थीं।

बिजली कर्मचारी संघ ने सौंपा 19 सूत्रीय ज्ञापन,समस्याओं के निस्तारण की मांग

संवाददाता

बस्ती , 12 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशर्फीलाल के नेतृत्व में संघ पदाधिकारियों ने अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल ई. राम बुझारत के माध्यम से अध्यक्ष उ.प्र. पावर कारपोरेशन लिमिटेड को समस्याओं के निस्तारण और समझौतों के पालन हेतु 19 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा।

भेजे ज्ञापन में संविदा कर्मचारियों कोद तेलंगाना, उड़ीसा सरकार की तरह नियमित किये जाने, जब तक नियमित नहीं किया जाता 28 हजार रूपया मानदेय दिये जाने, दुर्घटना की स्थिति में समुचित इलाज की सुविधा उपलब्ध कराये जाने, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल किये जाने, पदोन्नति का समयबद्ध वेतनमान दिये जाने, टी.जी. 2 से जेई के प्रोन्नति का कोटा 25 प्रतिशत से बढाकर 40 प्रतिशत किये जाने, प्रधान लिपिक का पूर्व की भांति पदोन्नित किये जाने, मण्डलों में नियमानुसार तैनाती, कार्यकारी सहायकों की वरिष्ठ कार्यकारी के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने, तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को अवर अभियन्ता की भांति 4200 एवं 2600 का ग्रेड पे दिये जाने, उत्पादन निगम की परियोजनाओं पर चिकित्सालय में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती, कैशलेश इलाज की व्यवस्था किये जाने, ऊर्जा मंत्री, प्रबन्धन एवं विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उ.प्र. के साथ 19-03-2023 को हुये समझौतों का पालन कराये जाने, उत्पीड़न की कार्यवाही वापस लिये जाने, तीन हजार निकाले गये संविदा कर्मियों को बहाल किये जाने, चतुर्थ श्रेंणी का पद सृजित किये जाने, भत्तों का पुनरीक्षण, पेंशनरों को मिलने वाले चिकित्सा भत्ता उनके विद्युत बीजकों में समायोजित करने हेतु वर्तमान विलिंग प्रणाली में समायोजन की व्यवस्था किये जाने आदि की मांग शामिल है।

ज्ञापन सौंपने के बाद उत्तर प्रदेश बिजली कर्मचारी संघ के क्षेत्रीय अध्यक्ष अशर्फीलाल ने कहा कि बिजली कर्मचारी संघ की प्रान्तीय कमेटी द्वारा समय-समय पर कर्मचारी समस्याओं के समाधान हेतु एजेण्डे दिये गये, परन्तु समस्याओं का समाधान आज तक न होने के कारण लोगों में रोष है। समस्याओं का प्रभावी समाधान न हुआ तो संघ आन्दोलन को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से सूर्य प्रकाश, अनिल कुमार, मसूद आलम, दिनेश कुमार, राजेश त्रिपाठी, निर्मला देवी के साथ ही संघ के अनेक पदाधिकारी शामिल रहे।

जालौन में सलीम गुर्जर गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

संवाददाता

जालौन, 12 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश में जालौन के कुठौंद क्षेत्र में पुलिस ने एक सशस्त्र मुठभेड़ के बाद सलीम गुर्जर गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी राम सिंह ने मंगलवार को बताया कि बीती देर रात एसओजी, सर्विलांस और कुठौंद पुलिस की सलीम गुर्जर गैंग के दो बदमाशों से मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में 25000 रुपए के इनामी बदमाश सहित दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। इन घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। गिरफ्तार बदमाशों ने एक माह पहले दंपती को गोली मारकर लूटपाट की थी। मुठभेड़ के दौरान इन बदमाशों के पास से पुलिस ने तमंचा कारतूस के साथ लूटे गये आभूषण बरामद किये हैं। उन्होने बताया कि 18 फरवरी की शाम को कुठौंद थाना क्षेत्र के जालौनी माता मंदिर के पास यमुना पुल पर औरैया से शादी समारोह से लौट रहे एक दंपती को गोली मारकर लूटपाट की गई थी। इस मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीम लगी हुई थी। सोमवार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि दंपती को गोली मारने वाले बदमाश क्षेत्र में एक बार फिर लूट की फिराक में घूम रहे हैं। इस सूचना पर एसओजी, सर्विलांस टीम के साथ कुठौंद थाना पुलिस ने जालौनी माता के पास चेकिंग शुरू की, तभी एक मोटरसाइकिल आती हुई पुलिस को दिखाई दी। टीम ने बाइक को रोकने का प्रयास किया, मगर बाइक सवार लोगों ने पुलिस को देख भागने का प्रयास किया। पुलिस के पीछा करने पर बदमाशों ने फायरिंग शुरु कर दी जवाबी कार्रवाई में बदमाशों के पैर में गोली लग गई, जिससे वह बाइक सहित नीचे गिर गए। गिरफ्तार बदमाश 25 हज़ार रुपए का ईनामी हिस्ट्रीशीटर और सलीम गुर्जर डकैत गैंग का सदस्य रिजवान उर्फ डूंडा उर्फ लूला और अयाना क्षेत्र का निवासी हिस्ट्रीशीटर पंकज उर्फ रंगोली है। रिजवान के खिलाफ औरैया, जालौन, इटावा, कानपुर जनपद के अलग अलग थाना क्षेत्र में 24 मामले दर्ज हैं, जबकि पंकज के खिलाफ जालौन, कानपुर, इटावा, औरैया, फर्रुखाबाद सहित अन्य जनपदों में लूट, गैंगस्टर सहित 28 मामले दर्ज हैं। फिलहाल दोनों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

सी आई एस एफ जवानों के साथ किया पुलिस ने फ्लैग मार्च

संवाददाता

बस्ती, 12 मार्च (नवसत्ता)। थाना क्षेत्र में आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सोमवार को उच्चाधिकारियों के निर्देशन में नायाब तहसीलदार ऋषभ सिंह व प्रभारी निरीक्षक तहसील सिंह व प्लाटून कमांडर सुरेश कुमार, सीआईएसएफ के नेतृत्व में सी आई एस एफ व पुलिस जवानों के साथ सहयुक्त होकर आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को सकुशल संपन्न कराने के प्रयोजन से एरिया डोमिनेशन किया गया। इस दौरान थाना क्षेत्र के वर्नेबल और क्रिटिकल मतदान केंद्रों का भ्रमण और एरिया डोमिनेशन किया गया। सीएपीएफ की मौजूदगी में पीड़ित व्यक्तियों के मजरों में जाकर उनसे संपर्क कर उनसे वार्ता की गई और निर्भीक तथा भयमुक्त होकर मतदान करने को बताया गया। इसके साथ ही सभी महत्वपूर्ण दूरभाष नंबरों और उच्च अधिकारीयो के दूरभाष नंबर की सूची भी उन्हें उपलब्ध कराई गई। ऐसे मतदान केदो से संबंधित गांव में भ्रमणशील होकर मजारिया हिस्ट्रीशीटरों के यहां जाकर भी पूछताछ और आवश्यक कार्यवाही संपादित की गयी।

सीएम योगी ने किया मंत्रियों के विभागों का बंटवारा

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। योगी सरकार ने नए मंत्रियों को विभागों का आवंटन कर दिया है। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर को पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी मिली है। दारा सिंह चौहान कारागार मंत्री बनाए गए हैं। सुनील शर्मा को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स का महकमा आवंटित किया गया है। अनिल कुमार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है. धर्मवीर प्रजापति के जिम्मे नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड का प्रभार होगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार के दूसरे कार्यकाल का मंत्रिमंडल विस्तार 5 मार्च को हुआ था। मंत्रिमंडल विस्तार में ओम प्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान समेत चार मंत्रियों को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। आज 12 मार्च को मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हो गया. रालोद के विधायक अनिल कुमार विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गयी। बीजेपी के विधान परिषद सदस्य दारा सिंह चौहान कारागार मंत्री बनाए गए। साहिबाबाद से बीजेपी विधायक सुनील शर्मा को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स का महकमा आवंटित किया गया है। धर्मवीर प्रजापति नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड की कमान संभालेंगे। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर को पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की जिम्मेदारी दी गयी। एनडीए गठबंधन में शामिल होने के बाद ओम प्रकाश राजभर को मंत्री बनाए जाने की आस थी। योगी मंत्रिमंडल का विस्तार लंबे समय से टाला जा रहा था। लोकसभा चुनाव से पहले जातीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट का विस्तार हुआ। कैबिनेट विस्तार में इंडिया गठबंधन का हिस्सा रही रालोद को भी मंत्रिपद मिला है। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न मिलने के बाद जयंत चौधरी ने बीजेपी की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन में शामिल होने का संकेत दे दिया था।

महोबा में खनन और ब्लास्टिंग के दौरान 2 मजदूरों की मौत, 8 मलबे में दबे

संवाददाता

महोबा, 12 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश के महोबा में खनन के दौरान विस्फोट में दो लोगों की मौत का मामला सामने आ रहा है। वहीं, दो लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। पहाड़ पर अवैध खनन कर रहे आरोपियों ने ब्लास्ट किया था। इसमें वहां पर काम कर रहे करीब दर्जन भर मजदूरों के इसकी चपेट में आ गए। चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, आठ लोग मलबे में दबे होने की बात कही जा रही है। अवैध खनन का मामला सामने आने के बाद लोगों ने जोरदार हंगामा किया। मृतकों के परिजन और ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। अवैध खनन के दौरान ब्लास्ट के कारण लोगों के फंसने की सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम एक्टिव हुई। सीएम योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लिया। अधिकारियों को मौके पर पहुंचने के आदेश दिए गए हैं। सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। मलबे में दबे लोगों को निकालने का प्रयास शुरू किया गया। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू हुई। वहीं, घायलों को आनन- फानन में पास के अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। इस पूरे मामले में खनिज अधिकारी की लापरवाही का मामला सामने आ रहा है। इस घटना में मृतकों की संख्या में इजाफा होने की आशंका भी बनी हुई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर शीघ्र पूरी स्थिति पर अपडेट का दावा कर रही है।दावा किया जा रहा है कि यहां पर अवैध ब्लास्टिंग का खेल लंबे समय से चल रहा था। कबरई थाना क्षेत्र के पहरा गांव के पास हुई इस घटना की जांच पुलिस-प्रशासन के स्तर पर शुरू की गई है। सरकार और प्रशासन की नजर पूरे मामले पर लगातार बनी हुई है। इस पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश सरकार के स्तर पर जारी किए गए हैं।

युवाओं को कर्तव्य बोध का ज्ञान कराया

संवाददाता

महोबा, 12 मार्च (नवसत्ता)। आज नेशनल पीजी कॉलेज, लखनऊ के प्राचार्य प्रोफेसर देवेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में एनएसएस के 7 दिवसीय विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस का शुभारंभ स्वयंसेवकों द्वारा सबसे पहले शिविर की सफाई करके हुआ तदुपरांत दया कर दान भक्ति का नामक प्रार्थना एवं लक्ष्यगीत से हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोतीलाल मेमोरियल सोसायटी के महासचिव राजेश सिंह ने स्वयंसेवकों को अपना आशीर्वाद दिया और स्वामी विवेकानंद जी का उदाहरण देते हुए कहा कि आप अपना लक्ष्य निर्धारित करें और स्व अनुशासित हो एक अच्छा नागरिक बन समाज में अपनी सेवाएं दें । आपने कहा पढ़े बेटियां बड़े बेटियां आज बेटियां हर क्षेत्र में नाम रौशन कर रही है। निश्चित ही यह प्रशिक्षण आपके भविष्य निर्माण में सहायक होगा । विशालाक्षी फाउंडेशन से आए आलिंद अग्रवाल और दिव्यांशु अग्रवाल ने छात्रों को फाउंडेशन ड्रीम स्कूल तथा कई प्रकार के स्वैच्छिक कार्यों के बारे मे अवगत कराया और एनएसएस के स्वयंसेवकों को प्रोत्साहित किया की वह भी स्लम एरिया के बच्चों को शिक्षा देने में मदद करें। बच्चों को बताएं कि जीवन कितना अनिश्चित है और उन्हें कल का इंतजार ना करके आज से ही समाज को बेहतर बनाने में अपना योगदान देने के लिए तैयार करें । कार्यशाला के द्वितीय सत्र में महानगर सीमा जागरण मंच लखनऊ के अध्यक्ष एवं डायरेक्टर लीगल अवेयरनेस प्रोग्राम नेशनल सर्विसेज स्कीम और एन सी सी यूनिवर्सिटी ऑफ़ लखनऊ एवं उच्च न्यायालय के एडवोकेट अमरेंद्र कुमार दीक्षित जी ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक लीगल जानकारियां छात्रों से साझा की जैसे की फिर कैसे लिखायी जा सकती है, इंडियन पीनल कोड, विभिन्न प्रकार के अपराधों की जानकारी एवं उनसे जुड़ी सजाओ के बारे में बताया द्य उन्होंने स्वयंसेवकों को हिंदू विवाह अधिनियम, दहेज प्रथा अधिनियम, आईपीसी की धाराएं, सीपीसी, आइएए के बारे में भी जानकारी दी । भोजनों उपरांत शिविर का संचालन करते हुए डॉक्टर अर्चना सिंह ने कहा कि बेटियां शक्ति स्वरुप है अगर एक बेटी को शिक्षित किया जाता है तो पूरा एक समाज शिक्षित होता है और समाज से राष्ट्र बनता है आप अपनी जिम्मेदारियों को समझिए और राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को पूरा कीजिए । शिविर स्थल की तीन टोलिया ने विपुल, दीपांशु के मार्गदर्शन में मलिन बस्ती में जाकर मलिन बस्ती के बच्चों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य के बारे में जजानकारी दी तथा युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित किया।

छेड़खानी की शिकार महिला आरक्षी ने पुलिस की शरण में

संवाददाता

महोबा, 12 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश मे महोबा जिले के पुलिस अधीक्षक कार्यालय मे तैनात एक महिला सिपाही से छेड़छाड़ किये जाने का मामला प्रकाश मे आने से हड़कंप मचा है। पीड़ित महिला सिपाही की शिकायत पर सदर कोतवाली मे गंभीर धाराओ मे आज मुकदमा पंजीकृत करके प्रकरण मे आरोपी महकमे के ही चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही की गयी है। महिला आरक्षी द्वारा सदर कोतवाली मे दी गयी शिकायत के मुताबिक पुलिस कार्यालय मे पूर्व मे तैनात रहे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुभाष चंद्र द्वारा उसे लगातार छेड़खानी का शिकार बनाया जा रहा है। आरोपी सड़क पर आते .जाते उसका न सिर्फ पीछा करता है बल्कि अश्लील हरकतें भी करता है। महिला आरक्षी का आरोप है कि सुभाष द्वारा गत काफी समय से अशोभनीय और आपत्तिजनक हरकतें करके उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। कार्यालय के अन्य कर्मचारियों मे झूठी,अश्लील व् आपत्तिजनक बातें प्रचारित करके बदनाम किया जा रहा है जिससे वह मानसिक उत्पीड़न का शिकार है। पुलिस उप अधीक्षक दीपक दुबे ने बताया कि महिला आरक्षी की शिकायत पर आरोपी सुभाष चंद्र के खिलाफ आईपीसी की धाराओं 354घ,504,506 मे नामजद मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण की जांच की जा रही है।

सम्पादकीय

लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का दांव

लोकसभा चुनाव की सियासी तपिश के बीच मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही देशभर में सीएए कानून लागू हो गया है। सीएए के तहत पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम को नागरिकता मिल सकेगी। 2024 के लोकसभा चुनाव की सियासी पिच पर उतरने से पहले मोदी सरकार ने सीएए को लागू कर अपने 'हिंदुत्व' के तरकश में एक और तीर सजा लिया है, जिसके एक साथ कई राजनीतिक हित साधने की रणनीति है। सवाल उठता है कि सीएए के लागू होने से लोकसभा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा?

सीएए की अधिसूचना जारी होते ही बीजेपी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,'जो कहा सो किया' मोदी सरकार ने नागरिकता संशोधन कानून की अधिसूचना जारी कर पीएम ने अपनी गारंटी पूरी की। बीजेपी ने सीएए की पूरी टाइम लाइन भी दी है, जिसमें कहा है कि सीएए कानून 1955 में बदलाव के लिए नागरिकता संशोधन विधेयक 2016 में संसद में पेश किया गया लेकिन मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में 10 दिसंबर 2019 को लोकसभा और इसके अगले दिन राज्यसभा में पास हुआ। 12 दिसंबर 2019 को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलते ही सीएए कानून बना और चार साल के बाद अब मोदी सरकार ने सोमवार को सीएए की अधिसूचना जारी कर दी।

बीजेपी ने लोकसभा चुनाव से ठीक पहले सीएए का दांव चला है, जिसका सबसे ज्यादा प्रभाव पश्चिम बंगाल और असम की सियासत पर पड़ने वाला है। अधिसूचना का ऐलान होते ही पश्चिम बंगाल में बीजेपी और मतुआ समुदाय ने जश्न मनाया, लेकिन असम में अखिल असम छात्र संघ ने विरोध करते हुए आंदोलन तेज करने का ऐलान कर दिया। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के लिए सीएए का मुद्दा सियासी मुफीद साबित हो सकता है तो असम में टेंशन बन सकता है। बंगाल में क्लीन स्वीप का सपना देख रही ममता बनर्जी के लिए चिंता का सबब बन सकता है?

सीएए बंगाल में बीजेपी का चुनावी वादा रहा है। अमित शाह से लेकर पीएम मोदी तक ने बंगाल में सीएए लागू करने की बात करते रहे हैं और अब जब अधिसूचना जारी कर दी है तो बीजेपी को इससे अपने फायदे की उम्मीद दिख रही है। सीएए लागू होने से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता मिलेगी, जिसमें सबसे बड़ा फायदा बंगाल में मतुआ समुदाय को मिलेगा। राज्य में मतुआ समुदाय की बड़ी आबादी है। 2019 में बीजेपी ने मतुआ समुदाय से वादा किया था कि सीएए से उन्हें नागरिकता दी जाएगी, जिसका लाभ भी उसे मिला था।

मतुआ समुदाय के बारे में कहा जाता है कि बंगाल का सियासी गणित काफी हद तक मतुआ मतों पर टिका रहता है। माना जाता है कि मतुआ वोट जिधर भी खिसका उसका पलड़ा भारी पड़ जाता है। बंगाल में लगभग एक करोड़ अस्सी लाख मतुआ समुदाय के मतदाता हैं, जो किसी भी दल का खेल बनाने और बिगाड़ने की ताकत रखते हैं। पश्चिम बंगाल के नादिया, उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों की कम से कम चार लोकसभा सीट में यह समुदाय निर्णायक है। सीएए के मुद्दे पर बीजेपी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में बनगांव और रानाघाट सीट जीती थी।

दरअसल, सीएए का मुद्दा मतुआ समुदाय के लिए अहम है। इस अहमियत को समझने के लिए मतुआ समुदाय के इतिहास को जानना जरूरी है। मतुआ समुदाय पूर्वी बंगाल और अब बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थी हैं। जातियों की श्रेणी में इन्हें दलित समुदाय के तौर पर रखा गया है और नामशूद्र कहा जाता है। पश्चिम बंगाल में 17 फीसदी के करीब मतुआ समुदाय के लोग रहते हैं। पश्चिम बंगाल में बंग्लादेश से आए मतुआ समुदाय के लोग काफी समय से स्थाई नागरिकता की मांग करते रहे हैं। ये हिंदू शरणार्थी हैं जो देश के विभाजन के दौरान और बाद के दशकों में बांग्लादेश से भारत पहुंचे। मतुआ समुदाय की तरह राजवंशी समुदाय को भी सीएए का लाभ है। राजवंशी भी हिंदू हैं। 1971 के बाद से इन लोगों को अब तक नागरिकता नहीं मिली है।

पश्चिम बंगाल के चार जिले नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और पूर्वी बर्दवान में मतुआ समुदाय का प्रभाव है। इसी तरह पश्चिम बंगाल की कुल 42 लोकसभा सीटों में से 10 अनुसूचित जनजाति की सीटें हैं। इनमें से चार लोकसभा सीटों पर मतुआ संप्रदाय का प्रभाव है। मतुआ के साथ-साथ राजवंशी समुदाय की भी स्थाई नागरिकता की डिमांड पुरानी है। कूचबिहार जलपाईगुड़ी, अलीपुद्वार आदि में राजवंशी समुदाय की आबादी अच्छी खासी है। ऐसे में राजवंशी समुदाय का असर उत्तर बंगाल की 4-5 लोकसभा सीटों पर है। इस तरह कुल मिलाकर राज्य की चौथाई लोकसभा सीटों पर सीएए कानून का डायरेक्ट असर है। सीएए के कानून से जिन समुदायों को फायदा होने वाला है उन लोगों ने बंगाल में 2019 के लोकसभा चुनावों में खुलकर बीजेपी का साथ दिया था।

मुद्दा

भारतीय नौजवान को मानव तस्करों से बचाओ

डी. पी. शुक्ला

मुश्किल ये है कि जो भारतीय नौजवान रूस और यूक्रेन की जंग में फंस गए हैं, उन्हें जंग के मैदान में भेजने में न तो भारत सरकार की और न ही रूसी सरकार की कोई भूमिका है। ये लोग प्राइवेट एजेंट्स के चक्कर में फंसे और उन्हें प्राइवेट रशियन सशस्त्र ग्रुप के हवाले कर दिया जिनका रूसी सेना से कोई लेना देना नहीं।

आज सबसे पहले देश के नौजवानों और उनके माता-पिताओं को सावधान करना चाहता हूं। सोशल मीडिया यू-ट्यूब, फेसबुक, इन्स्टाग्राम ट्विटर या किसी भी प्लेटफॉर्म पर कोई नौकरी का ऑफर देता है, स्टूडेंट वीजा पर विदेश भेजकर वहां हर महीने लाखों रूपए कमाने का लालच देता है, तो बिल्कुल भरोसा मत कीजिए वरना पैसा भी जाएगा और जान जाने की नौबत भी आ सकती है क्योंकि इसी तरह के वीडियो के चक्कर में फंस कर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु जैसे कई राज्यों के लड़के रूस पहुंच गए। उन्हें रूस में कोई नौकरी नहीं मिली बल्कि धोखे से उन्हें वहां की प्राइवेट आर्मी में भर्ती करवा दिया गया। हथियार थमा कर, बंदूक दे कर यूक्रेन में जंग के मैदान में भेज दिया गया। रूस और यूक्रेन की जंग से भारत का कोई लेना-देना नहीं है लेकिन इस जंग में हमारे दो नौजवान मारे जा चुके हैं। दोनों जालसाजों के चक्कर में फंस कर रूस पहुंचे थे। कम से कम 35 नौजवान ऐसे हैं, जो जंग में मौत के दरवाजे पर खड़े हैं। हालांकि अब सरकार इस तरह की धोखाधड़ी करने वाली एजेंसियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, सीबीआई ने जांच शुरू कर दी है, 13 प्लेसमेंट एजेंसीज के ठिकानों पर रेड की गई है, जिन परिवारों के बच्चे रूस में फंसे हैं, उनसे संपर्क किया जा रहा है लेकिन सरकार के लिए इन नौजवानों को जंग के मैदान से सुरक्षित वापस लाना आसान नहीं हैं क्योंकि रूस की सरकार का इन भारतीय नौजवानों के रूस पहुंचने में या कोई सीधा हाथ नहीं हैं। ये सब प्राइवेट एजेंसीज और एजेंट्स का खेल है।

टीवी पर इन तस्वीरों में हमारे नौजवान सैनिक की वर्दी पहने नजर आए, लेकिन इन्हें ऐसा पहनने के लिए मजबूर किया गया। इन्हें सेना की कोई ट्रेनिंग नहीं मिली, लेकिन इनकी ड्रेस

असली है, इन्हें असली बंदूकें दी गई हैं और ये जंग के असली मैदान में हैं। हैरानी की बात ये है कि न ये रूसी भाषा जानते हैं, न यूक्रेनी, और इन्हें ये भी नहीं मालूम कि वो रूस के इलाके में हैं या फिर यूक्रेन के बॉर्डर में, बस चारों तरफ गोलियों और धमाकों की आवाजें सुनाई पड़ रही है। इनके पास फोन हैं, उससे इन लड़कों ने अपना वीडियो बनाया, परिवार वालों को भेजा, तब जाकर ये राज खुला कि अच्छी नौकरी, लाखों के पैकेज के चक्कर में रूस पहुंचे इन नौजवानों को न नौकरी मिली, न पैसा ऊपर से जिंदगी खतरे में पड़ गई। ये भारतीय नागरिक हैं, रूस की तरफ से यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ रहे हैं। ऐसे एक दो नहीं कई वीडियो हैं और सभी वीडियो में रूस में फंसे नौजवान ये बता रहे हैं कि वो तो घूमने के लिए रूस गए थे और वहां उन्हें एक एजेंट ने झांसा देकर फंसा लिया जिसके बाद पुलिस ने उन्हें जबरन सेना के हवाले कर दिया और उन्हें यूक्रेन में रूस की तरफ से जंग लड़ने के लिए भेज दिया गया जबकि उन्हें बंदूक चलानी तो दूर बंदूक पकड़नी भी नहीं आती। जिन सात लड़कों ने ये वीडियो भेजा है, वो पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के रहने वाले हैं। लेकिन ये रैकेट दक्षिण भारत तक फैला हुआ है। तेलंगाना कर्नाटक और तमिलनाडु से चार लड़कों को नौकरी के नाम पर रूस भेजा गया और फिर उन्हें जबरदस्ती यूक्रेन में जंग लड़ने के लिए भेज दिया गया।

ट्रैवल एजेंट्स, टूर ऑपरेटर्स और वीजा दिलाने के नाम पर लोगों को फंसाने का मानव तस्करी का ये नेटवर्क बड़े सुनियोजित तरीके से काम करता है। प्राइवेट वीजा कंसल्टेंसी की अलग अलग कपनियां सोशल मीडिया पर वीडियो, और यू ट्यूब के जरिए, उन युवाओं से कनेक्ट होते थे जो विदेश में नौकरी करना चाहते हैं,फिर इन नौजवानों को बताया जाता था कि विदेश में उनके लिए नौकरियों के तरह तरह के ऑप्शन हैं। जैसे डिलीवरी बॉय, हेल्पर, डेटा ऑपरेटर वगैरह। रूस के बारे में ये एजेंट दावा करते थे कि युवकों को वहां जाकर बॉर्डर पर जाकर न टैंक चलाना है, न तोप के गोले दागने हैं इन कंपनियों के एजेंट रूस में भी मौजूद हैं। वो वहां से वीडियो बनाकर दिखाते थे कि रूस में हालात बिल्कुल नॉर्मल हैं, सेना मोर्चे पर है, लेकिन सिविलियन इलाकों में लाइफ नॉर्मल है और उनको सिविलियन इलाकों में काम करना है। ये एजेंट दावा करते थे कि ये सब काम करने के लिए युवकों को तीन महीने ट्रेनिंग दी जाएगी और पहले तीन महीने तक हर महीने 40 हजार रूपये सैलरी भी मिलेगी। तीन महीने की ट्रेनिंग के बाद जब इन युवकों की पोस्टिंग होगी, तो उनकी सैलरी बढ़कर एक लाख रुपए प्रति महीना हो जाएगी।

विदेश में बसने का सपना देख रहे पढ़े-लिखे नौजवान उनके झांसे में आ जाते थे और वो रूस जाने के लिए जैसे तैसे तीन लाख रुपए इकट्ठा करते थे लेकिन, जैसे ही ये युवक रूस पहुंचते थे, इन एजेंटों का असली खेल शुरू हो जाता था। उनसे रूसी भाषा में एक कॉन्ट्रैक्ट पर जबरन साइन कराया जाता था और बंदूक, राइफल चलाने की थोड़ी बहुत ट्रेनिंग देकर जंग के मोर्चे पर भेज दिया जाता था। जो लोग इसका विरोध करते थे, उनको 10 साल के लिए जेल में डालने की धमकी दी जाती थी।

इस पूरे रैकेट में सबसे ज़्यादा चर्चा बाबा व्लॉग नाम के एक एजेंट की हो रही है। ये असल में दुबई में रहने वाले फैसल अब्दुल मुतालिब खान का वीडियो ब्लॉग है। सबसे ज़्यादा नौजवान इसी फैसल अब्दुल मुतालिब खान के वीडियो देखकर एजेंट्स के जाल में फंसे। इस बाबा व्लॉग के कई वीडियो अब भी सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं। ये फैसल अब्दुल मुतालिब खान दुबई की एक कंपनी में डायरेक्टर है। इस कंपनी का नाम बाबा व्लॉग्स ओवरसीज रिक्रूटमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड है। ये शख्स रूस के अलग अलग शहरों से अपने वीडियो डालकर लोगों को यकीन दिलाता था कि रूस में सब कुछ नॉर्मल है, ऐसे में नौजवानों को वहां आकर नौकरी करने में कोई रिस्क नहीं है। इस ब्लॉगर ने दो दर्जन लड़कों को रूस भेजा लेकन जब रूस यूक्रेन की जंग में दो भारतीय नौजवानों की मौत की खबर आई तो हमारी सरकार और एजेंसीज एलर्ट मोड में आई।

राजनीति

नेहरू लियाकत समझौते की विफलता ने नागरिकता संशोधन अधिनियम की शुरुआत कैसे की

राशीद किदवई

गृह मंत्रालय के दस्तावेज़ का दावा है कि सीएए धर्म के आधार पर वर्गीकरण या भेदभाव नहीं करता हैए यह इंगित करता है कि यह केवल राज्य धर्म वाले देशों में धार्मिक उत्पीड़न को वर्गीकृत करता है। न्यूयॉर्क में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थन में लोग टाइम्स स्क्वायर पर इकट्ठा हुए भले ही नागरिकता संशोधन अधिनियम ;सीएए लागू होने के लिए तैयार है क्या 1950 के नेहरू.लियाकत समझौते की विफलता ने श्सौम्य और संकीर्ण रूप से तैयार किए गए कानून की शुरुआत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसका उद्देश्य हमारे पड़ोस में गैर.धर्मनिरपेक्ष देशों में अल्पसंख्यकों की रक्षा करना था। सीएए में प्रावधान है कि अफगानिस्तान बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू सिख पारसी बौद्ध और ईसाई जैसे छह अल्पसंख्यक समुदायों के लोग जिन्हें धार्मिक उत्पीड़न के आधार पर भारत में शरण लेने के लिए मजबूर किया गया था उन्हें अब अवैध नहीं माना जाएगा। लियाकत अली खान जब पाकिस्तान के प्रधान मंत्री थे उन्होंने और भारतीय प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1950 में दिल्ली में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसे आमतौर पर नेहरू.लियाकत समझौता कहा जाता है। समझौते में एक.दूसरे के क्षेत्रों में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए हस्ताक्षर किए गए थे। नेहरू.लियाकत समझौते के तहत जबरन धर्मांतरण को मान्यता नहीं दी गई और अल्पसंख्यक अधिकारों की पुष्टि की गई। पाकिस्तान नागरिकता की पूर्ण समानता और जीवन संस्कृति भाषण की स्वतंत्रता और पूजा के संबंध में सुरक्षा की पूर्ण भावना प्रदान करने के लिए औपचारिक रूप से सहमत हुआ था। हालाँकि पाकिस्तान जल्द ही अपने वादे से मुकर गया।

अक्टूबर 1951 में लियाकत अली की हत्या कर दी गई। जब 3 जनवरी 1964 को श्रीनगर के हजरतबल में पवित्र अवशेष चोरी हो गया तो पूर्वी पाकिस्तान ख्अब बांग्लादेश, में बड़े पैमाने पर अशांति फैल गई जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाया गयाए जिसमें कि बहुत से लोगों की जान चली गई आगजनी और लूटपाट हुई। हालाँकि अगले दिन पवित्र अवशेष बरामद कर लिया गया फिर भी सांप्रदायिक अशांति जारी रही। दरअसल लोकसभा में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब देते हुए तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री गुलजारी लाल नंदा ने कहा था कि भारत नेहरू.लियाकत समझौते को लागू कर रहा है लेकिन पाकिस्तान अपना काम नहीं कर रहा है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के बारे मेंए नंदा जिन्होंने नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद दो बार भारत के कार्यवाहक प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया, ने कहा कि भारत उन लोगों के प्रति अपनी आँखें बंद नहीं कर सकता है जो हमारा हिस्सा थे जिनके साथ हमारे खून के रिश्ते हैं और जो हमारे रिश्तेदार और दोस्त हैं और हम उनके कष्टों उनके शरीर और आत्मा की यातना और उन सभी चीजों से मुंह नहीं मोड़ सकते जिनसे वे वहां गुजर रहे हैं। यह वह समय था जब नेहरू प्रधान मंत्री थे और संसद में बैठे थे जब उनके गृह मंत्री ने कहा था अगर उन्हें पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यक, अपने देश में सुरक्षा के बीच सांस लेना असंभव लगता है और उन्हें लगता है कि उन्हें इसे छोड़ देना चाहिए तो हम उनका रास्ता नहीं रोक सकते। हमारे पास उनसे यह कहने का साहस नहीं है तुम वहीं रहो और कत्ल किये जाओ। तीन दिन बाद भुवनेश्वर में नेहरू को बायीं तरफ लकवा मार गया जिसके कारण नंदा को अस्थायी रूप से बीमार प्रधान मंत्री नेहरू की कार्यकारी जिम्मेदारियां संभालनी पड़ीं।सीएए पर गृह मंत्रालय के एक दस्तावेज में देश की आजादी पर आधी रात को दिए गए नेहरू के श्ट्रिस्ट विद डेस्टिनीश् भाषण को उद्धृत करते हुए कहा गया है हम अपने उन भाइयों और बहनों के बारे में भी सोचते हैं जो राजनीतिक सीमाओं के कारण हमसे अलग हो गए हैं और हमने जो आजादी पाई है वर्तमान में वे नाखुश होकर साझा नहीं कर सकते है। वे हमारे हैं और हमारे ही रहेंगेएचाहेकुछ भी हो जाए और हम उनके अच्छे और बुरे भाग्य में समान रूप से भागीदार होंगे। सीएए ने अहमदिया शिया बहाई हजारा यहूदी बलूच और नास्तिक समुदायों को इस आधार पर बाहर रखा है कि राजनीतिक या धार्मिक आंदोलनों से उत्पन्न उत्पीड़न को ऐसे व्यवस्थित धार्मिक उत्पीड़न के साथ नहीं जोड़ा जा सकता है जिससे सीएए का उद्देश्य निपटना है। इसी तरह रोहिंग्या तिब्बती बौद्ध और श्रीलंकाई तमिलों के मामलों को सीएए से बाहर रखा गया है क्योंकि यह कानून दुनिया भर के मुद्दों का सर्वव्यापी समाधान नहीं है। यह तर्क दिया जाता है कि भारतीय संसद दुनिया भर के विभिन्न देशों में हो रहे विभिन्न प्रकार के उत्पीड़न की देखभाल नहीं कर सकती है।गृह मंत्रालय के दस्तावेज़ का दावा है कि सीएए धर्म के आधार पर वर्गीकरण या भेदभाव नहीं करता हैए यह इंगित करता है कि यह केवल राज्य धर्म वाले देशों में धार्मिक उत्पीड़न को वर्गीकृत करता है।

अपनी बात

झारखंड की घटना पर भारतीयों के प्रति नस्ली घृणा डराती है

मेघना पंत

आज जब पूरी दुनिया झारखंड में स्पैनिश पर्यटक के साथ हुए दुर्भाग्यपूर्ण सामूहिक दुष्कर्म पर चर्चा कर रही है, वहीं इसकी प्रतिक्रिया में भारतीयों के साथ नस्लवादी घृणा भी बढ़ रही है। पीड़िता और उनके पति न्याय के हकदार हैं और उसके लिए लड़ना महत्वपूर्ण है, लेकिन अपने देश के बारे में आज हमें जिस तरह की नस्लवादी भावनाएं पढ़ने को मिल रही हैं, वे बिल्कुल ठीक नहीं हैं। हमारे खानपान की आदतों से लेकर हमारी त्वचा के रंग और हमारे रीति रिवाजों तक-नस्लवादी घृणा का परनाला बह निकला है।

ये सच है कि भारत महिलाओं के लिए असुरक्षित है, लेकिन मुझे बताएं दुनिया का कौन-सा हिस्सा असुरक्षित नहीं है? जब मैं न्यूयॉर्क में रहती थी, तो सब-वे में मुझे अनुचित रूप से स्पर्श किया गया था, जिसके बाद मैं हमेशा सतर्क बनी रही। जब मैं दुबई में रहती थी तो एक डेजर्ट सफारी के दौरान एक व्यक्ति ने वॉशरूम तक मेरा पीछा किया और उसने मुझ पर ऐसी भद्दी टिप्पणियां कीं, जिन्हें याद करके मैं आज भी सहम उठती हूं। जब मैं स्विट्जरलैंड में थी तो आधी रात को कुछ लोगों के एक समूह ने मुझ पर धावा बोल दिया और मुझे जान बचाकर भागना पड़ा।

सुरक्षा, स्मार्टनेस, कानून, विकसित देश, समानता आदि के बारे में हमें कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। महिलाओं के लिए पूरी दुनिया ही असुरक्षित है। वास्तव में अमेरिका और ब्राजील में तो भारत की तुलना में दुष्कर्म के मामले (प्रतिशत में) काफी अधिक होते हैं। लेकिन कोई भी इसके लिए पूरे देश को बदनाम नहीं करता है। तो सिर्फ भारत को ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है?

किसी देश को कैंसल करने के बजाय इस समस्या के समाधान खोजना एक बेहतर विकल्प होगा। सबसे पहले तो पुरुषों को न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में महिलाओं के जीवन की वास्तविकताओं को समझने की जरूरत है। एक संवेदनशील पुरुष के लिए भी यह समझना मुश्किल हो सकता है कि महिलाएं किस दौर से गुजरती हैं। इसका समाधान यह है कि चीजों को महिलाओं के दृष्टिकोण से सुनें और देखें। इस बात को समझें कि जब भी हम सड़क पर चलती हैं- चाहे यहां हो या विदेश में-हम पर नजर रखी जा रही होती है।

जब हम सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करती हैं तो हमें अनुचित रूप से स्पर्श किए जाने का खतरा रहता है। अगर हम देर रात को बाहर निकलें तो हमारी जान को भी जोखिम हो सकता है। यहां तक कि हमें डिलीवरी बॉय से भी इस बात का डर रहता है कि दरवाजा खोलते ही वह हम पर हमला तो नहीं कर बैठेगा। हम कहीं भी, किसी भी समय या किसी भी स्थिति में सुरक्षित नहीं हैं। यह दुनिया भर की महिलाओं की जीती-जागती हकीकत है। हमारी सुरक्षा जो हमारे लिए एक मौलिक अधिकार होनी चाहिए- वह हमारे लिए विशेषाधिकार तक नहीं है। अब प्रिवेंटिव एक्शन ही काफी नहीं रह गए हैं, हमें अफर्मेटिव एक्शन की जरूरत है। हमें दुष्कर्मियों को चिह्नित करना होगा। हमें दुष्कर्म पीड़िताओं को निःशुल्क कानूनी, चिकित्सकीय और मनोचिकित्सकीय सहायता देनी होगी, हमें दंड संहिता में सुधार लाना होगा ताकि यौन-प्रताड़ना से जुड़े मसलों पर त्वरित कार्रवाई हो।

चिंतन

समान नागरिक संहिता: देश के विकास के लिये मील का पत्थर

सैय्यद जाहिद अली रियासत

देश के विकास में सम्भावित अहम भूमिका निभा सकने वाले सीएए को आखिर कर देश में लागू कर दिया गया। देर आये दुरूस्त आये की बात को चरितार्थ करते इस कानून को लागू करने में की गई देरी भले ही शंका उत्पन्न करती हो, लेकिन देश के चहुमुखी विकास के लिये आवश्यक कहा जायेगा, प्रवासन की चुनौती भारतीय समाज के लिए गंभीर सामाजिक, आर्थिक और कानूनी दुविधाएं प्रस्तुत करती है जिसका मुकाबला करने विकास की राह में स्पीड ब्रेकर की भूमिका दर्शाता है।

विरोधाभासी विचारों से प्रेरित भारत में प्रवासन और नागरिकता का मुद्दा संप्रभुता, राष्ट्रीय पहचान और मानवतावाद के इर्द-गिर्द घूमता है। देश में नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू कर दिया गया है। नए कानून से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों से संबंधित अल्पसंख्यक भारतीय नागरिक बन सकेंगे। इसका उद्देश्य इन देशों में सताए गए अल्पसंख्यकों की रक्षा करना, उन्हें न केवल शरण प्रदान करना बल्कि अंततः नागरिकता का मार्ग भी प्रदान करना है।

समान नागरिक संहिता भारत के संप्रभु कार्य को दर्शाता है। कौन नागरिक बनेगा, इस पर भारतीय संसद का पूरा अधिकार है। हालांकि, यह उन भयानक परिदृश्य की वास्तविकता को भी पहचानता है जो इन समुदायों के लोगों को अपने गृह देशों से भागने के लिए मजबूर करते हैं, इस प्रकार एक संभावित अभयारण्य के रूप में भारत की भूमिका को स्वीकार करते हुए इन प्रवासियों को नागरिकता प्रदान करने

का उद्देश्य किसी भी कानूनी या लोकतांत्रिक पूर्वाग्रह से रहित माहौल स्थापित करना है। कम से कम उन्हे भारत में उनकी खुद की पहचान तो मिल ही जा रही है, यही कारण है देश में जैसे ही समान नागरिक संहिता लागू करने की घोषणा होती है नागरिकता से वंचित लोग खुशियां मनाने लगते हैं, ढोल ताशे गाजे बाजे के साथ झूम उठते हैं, इसके अलावा यह अधिनियम मौजूदा अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है या किसी भी भारतीय नागरिक के कानूनी लोकतांत्रिक या धर्मनिरपेक्ष अधिकारों को प्रभावित नहीं करता है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि सीएए भारत में नागरिकता प्राप्त करने के मूल प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करता है, किसी भी देश और धर्म के विदेशी अभी भी कानूनी रूप से भारत की यात्रा या प्रवास कर सकते हैं और नागरिक बन सकते हैं, बशर्ते वे भारतीय संविधान में बताई गई मौजूदा शर्तों को पूरा करते हों ये उनके लिये सबसे बड़ी उपलब्धि है।

नागरिकता के लिए इन समुदायों की चयन प्रक्रिया उनके घरेलू देशों के राज्य धर्मों से अलग, उनके विशिष्ट धर्मों के कारण योग्य उत्पीड़न पर आधारित है, यह समझदार अंतर यह सुनिश्चित करता है कि कानून के पीछे का उद्देश्य मनमाना नहीं बल्कि केंद्रित है, इस प्रकार, अधिनियम संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुरूप बनता है जिससे कानूनों की समान सुरक्षा सुनिश्चित होती है। प्रासंगिक वास्तविकताएं अधिनियम के अस्तित्व को और अधिक उचित ठहराती हैं। सीमाओं के पार, राज्य संस्थाओं जनसांख्यिकीय विशेषताओं और भू राजनीतिक कारकों ने एक ऐसा परिदृश्य तैयार किया है जिसमें भारत

इन सताए गए समुदायों के लिए सबसे व्यवहार्य शरणस्थल बन गया है। इस प्रकार, यह अधिनियम अपने विधायी अवतार में मानवता की भावना लाता है। हालांकि, इसका मतलब अंतर धार्मिक संघर्ष, राजनीतिक आंदोलनों या जातीय भेदभाव से संबंधित उत्पीड़न नहीं है। म्यांमार में रोहिंग्या समुदाय से संबंधित मुद्दों जैसे अन्य कारकों के अलग-अलग पैरामीटर हैं और इन्हें एक अलग शासन के तहत निपटाया जाता है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत में वैध वीजा के साथ निर्दिष्ट राष्ट्रों के बहुसंख्यक समुदायों के नागरिक रहते हैं, और वे मौजूदा कानूनों के तहत नागरिकता के लिए अच्छी तरह से पात्र हैं। तेजी से परस्पर जुड़ी दुनिया में भारत का समान नागरिक संहिता राष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का उदाहरण है।

यह अधिनियम धर्मनिरपेक्षता और मानवीय सिद्धांतों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है, जो उत्पीड़ित धार्मिक अल्पसंख्यकों को शरण और नए जीवन का अवसर प्रदान करता है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अधिनियम अकेले कोई समाधान नहीं है।

यह प्रवासन और नागरिकता को संबोधित करने वाली नीतियों और उपायों के व्यापक ढांचे के भीतर एक घटक है। एकीकरण कार्यक्रम सामाजिक समावेशन पहल और नवागंतुकों के अधिकारों और कर्तव्यों को सुनिश्चित करने वाले उपाय दांव पर लगे विविध हितों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। सीएए है इस प्रकार यह भारत की प्रवासन नीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह धार्मिक मान्यताओं के कारण जोखिम में पड़े लोगों की मदद करने की भारत की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

इस संबंध में, भारत ने सीएए के साथ जो यात्रा शुरू की है वह तभी संतुलित और सफल होगी जब उसे वास्तव में बहुसांस्कृतिक, धर्मनिरपेक्ष समाज के आशाजनक माहौल में प्रशासनिक दक्षता, विधायी कौशल और वास्तविक सहानुभूति के धागे बुनने की ताकत मिलेगी।

इस समावेशी और व्यापक दृष्टिकोण के साथ, भारत संभावित रूप से प्रवासन और नागरिकता से संबंधित जटिल मुद्दों से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों का मार्गदर्शन कर सकता है, विश्व स्तर पर भारत की भूमिका को मानवतावाद की नई नजरों से दुनिया को देखने समझने का अवसर देता है और विश्व मे तेजी से अपना प्रभाव स्थापित करता है।

कुछ-अलग

संभल से क्यों चुनाव लड़ना चाहते हैं शिवपाल सिंह यादव?

अजय कुमार

समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश की बदायूं लोकसभा सीट को लेकर गफलत में नजर आ रही है। चर्चा है कि एक बार फिर सपा आलाकमान ने वहां से शिवपाल यादव की उम्मीदवारी खारिज कर दी है। शिवपाल स्वयं चुनाव नहीं लड़ना चाह रहे थे या फिर यह पार्टी आलाकमान का फैसला है इस पर अभी स्थिति साफ नहीं हो पाई है।

लोकसभा चुनाव को लेकर बदायूं में सपा की सियासी करवट पर सपा के दिग्गजों में हर स्तर पर दो तरह की राय सामने आई हैं। एक बड़ा वर्ग बदायूं से सांसद रहे धर्मेंद्र यादव को फिर से उम्मीदवार बनाना चाहता है, जबकि सपा के ही कुछ नेता धर्मेंद्र यादव से नाराज बताये जाते हैं। वह उनको न लड़ाए जाने का आग्रह पिछले दिनों सपा मुखिया अखिलेश यादव से भी कर चुके हैं। इसके बाद ही धर्मेंद्र यादव के स्थान पर शिवपाल सिंह यादव का नाम आया था। अब सपा के सूत्रों का कहना है कि खुद शिवपाल सिंह यादव बदायूं से चुनाव लड़ने के लिए उत्साहित नहीं हैं। सूत्र बताते हैं कि शिवपाल की पहली पसंद संभल बताई जा रही है। सपा ने संभल से शफीकुर्रहमान बर्क को टिकट दिया था, लेकिन उनका देहांत हो चुका है, जिसकी वजह से यहां नये उम्मीदवार की तलाश की जा रही है। इसलिए पहले उनका बदायूं आगमन टला, फिर लगातार दूसरी बार उनके बेटे आदित्य यादव का भी दौरा टल गया। आदित्य यादव को अपने पिता शिवपाल यादव की चुनावी कमान संभालने के लिए यहां आना था। उनका दो बार दौरा लगा पर एक बार भी नहीं आए। संभल एक मुस्लिम बाहुल्य सीट है और यहां से सपा कई चुनाव जीत चुकी है। सपाइयों ने बताया था कि आदित्य यादव का 11 मार्च को बदायूं में आने का कार्यक्रम था, सपाइयों ने उनके स्वागत और चुनावी अभियान की शुरुआत को लेकर तैयारी बैठक कर ली थी, लेकिन एक दिन पहले 10 मार्च को उनका कार्यक्रम निरस्त होने की जानकारी सामने आई। इसकी पुष्टि सपा के स्थानीय पदाधिकारियों ने भी की। इससे अब उम्मीदवार बदले जाने की संभावना जताई जाने लगी है। इसकी पुष्टि इससे भी होती है कि अब तक कोई चुनावी बैठक भी नहीं हुई है। फिलहाल, स्थानीय पदाधिकारियों की निगाहें नेतृत्व के फैसले पर टिकी हैं।

गौरतलब है कि बदायूं मुस्लिम और यादव बहुल सीट है। इसी समीकरण से किसी समय यह सपा की मजबूत सीट मानी जाती थी, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चचेरे भाई और सांसद रहे धर्मेंद्र यादव को शिकस्त देने के लिए संघमित्रा मौर्य को मैदान में उतारा था। भाजपा प्रत्याशी से धर्मेंद्र यादव हार गए थे। चुनाव के बाद सियासी घटनाक्रम बदलता रहा। संघ मित्रा के पिता स्वामी प्रसाद मौर्य सपा में रहे। सपा में रहते केंद्र व प्रदेश सरकार पर जमकर सियासी हमले किए। तब से भाजपा के अंदर उनकी बेटी के टिकट को लेकर संश

डाइट में इन चीजों को शामिल करने से छूट सकती है सिगरेट की लत

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। धूम्रपान से सेहत को होने वाले नुकसान के बारे में लोगों में जागरुकता विकसित करने के लिए देश-दुनिया में हर साल 13 मार्च को नो स्मोकिंग डे मनाया जाता है। इसके पीछे मकसद स्मोकिंग की बुरी लत से लोगों को निजात दिलाना है। बता दें, अगर आपको भी अब यह अहसास हो चुका है कि ये गंदी लत आपके लिए कितनी जानलेवा है, और आप इसे छोड़ने का मन बना चुके हैं, तो यहां बताई गई कुछ चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। ये काफी हद तक आपकी इस आदत को छुड़वाने में मददगार साबित होंगी। आइए जान लीजिए इसके बारे में।

कई लोग ऐसा मानते हैं कि दूध पीने से सिगरेट कड़वी लगती है और इसका स्वाद खराब हो जाता है। ऐसे में आप इस लत पर काबू पाने के लिए दूध का सेवन कर सकते हैं। इसके अलावा दूध से बने तमाम डेयरी प्रोडक्ट्स भी आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। स्मोकिंग की लत से छुटकारा पाने के लिए मुलेठी का सेवन भी काफी असरदार है। इसमें ऐसे गुण मौजूद होते हैं, जो आपको स्ट्रेस और थकान से भी दूर रखते हैं। बीड़ी सिगरेट की आदत को कम करने के लिए आप मुलेठी का छोटा टुकड़ा मुंह में रखकर चूस सकते हैं। आपको भी अगर रह-रहकर बीड़ी-सिगरेट की तलब उठती है, तो दालचीनी के टुकड़े भी अपनी जेब में रखने की आदत डाल लें। इसमें मौजूद सोडियम, थाइमीन, कैल्शियम और अन्य पोषक तत्व आपको एनर्जी तो देंगे ही, साथ ही चूंकि ये स्वाद में थोड़ी तीखी और कड़वी होती है, ऐसे में स्मोकिंग की आदत में कमी ला सकती है। सुनने में भले ही ये आपको अजीब लगे, लेकिन बता दें, कि कुछ स्टडीज में भी इस बात को देखा गया है कि पॉपकॉर्न खाने से सिगरेट की लत में काफी राहत देखने को मिलती है। क्योंकि इन्हें अच्छे से चबाकर खाना पड़ता है, ऐसे में इससे आपका मुंह बिजी तो रहता ही है, साथ ही इसमें मौजूद फाइबर लंबे समय तक आपके टमी को फुल रखता है, और स्मोकिंग की इच्छा में कमी आती है। काली मिर्च के सेवन से भी धूम्रपान की तलब को कम किया जा सकता है। इसके सेवन से सेहत को फायदा तो मिलता ही है, साथ ही, आप इससे बने एसेंशियल ऑयल को सूंघकर भी बीड़ी-सिगरेट की इच्छा को कम कर सकते हैं।

केसरिया दूध बनाने का आसान तरीका

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। माह ए रमजान का इंतजार लोग सालभर करते हैं। अब जब रमजान शुरू होने वाला है तो हर कोई काफी उत्साहित है। इस रमजान के महीने में लोग पूरे दिन भूखे-प्यासे रहकर रोजा रखते हैं। कहा जाता है कि जो भी रमजान के महीने में रोजा रखता है, उनके ऊपर अल्लाह मेहरबान रहते हैं। इसी के चलते लोग रमजान के माह में अल्लाह की इबादत करते हैं। रोजे की शुरुआत से पहले सुबह सबेरे सहरी और शाम को रोजा खोलते वक्त इफ्तार किया जाता है। लोग कोशिश करते हैं कि वो सहरी में कुछ ऐसा ही खाएं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक रहे। अगर आप भी कुछ ऐसे पकवान की तलाश कर रहे हैं, तो केसरिया दूध एक बेहतर विकल्प है। अगर आप सहरी के समय केसरिया दूध का सेवन करेंगे तो आपका पेट ठंडा रहेगा और शरीर पूरी तरह से हाइड्रेडेट रहेगा।

अगर आपको भी नहीं पसंद दूध,तो ब्रेकफास्ट में शामिल करें ये ड्रिंक्स

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। दूध पीने से दिन की शुरुआत करना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। इसके बहुत सारे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो आपको पूरे दिन एनर्जी से भरपूर रखते हैं। हालंकि, इतना फायदेमंद होने के बाद भी कई लोगों को दूध नहीं पसंद होता या दूध को पचाने में किसी तरह की प्रॉब्लम होती है, जिसे लैक्टोज इनटोलरेंस कहा जाता है। ऐसे में कुछ ऐसे ड्रिंक्स को पी सकते हैं, जिनमें दूध के समान ही पौष्टिक और फायदेमंद होते हैं। सोया दूध, बादाम दूध, कोकोनट वाटर, हर्बल टी, कोकोनट मिल्क, ओट मिल्क आदि, जैसे ड्रिंक्स से दिन की शुरुआत की जा सकती है। ये ड्रिंक्स कई पोषक तत्वों और विटामिनों से भरपूर होते हैं। इनमें कैल्शियम, विटामिन डी और

प्रोटीन आदि शामिल होता हैं, जो दूध से मिलने वाले जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। इसके अलावा इनमें लैक्टोज नहीं होता इसलिए ये लैक्टोज इंटोलरेंस की समस्या से पीड़ित व्यक्तियों के लिए भी अच्छे ऑप्शन है। आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ दूध के समान ही हेल्दी और टेस्टी ड्रिंक्स के बारे में।

लस्सी

लस्सी दूध नहीं पीने वालों के लिए सबसे अच्छा और टेस्टी ड्रिंक है।इसे दही में फ्रूट्स और ड्राई फ्रूट्स को साथ मिक्स करके तैयार किया जाता है, जो की बहुत ही टेस्टी और स्वास्थ्य वर्धक होते हैं। लस्सी कैल्शियम, विटामिन, पोटेशियम और मैग्नीशियम और बहुत सारे अन्य पोषक तत्वों से भरपूर एक परफेक्ट ब्रेकफास्ट ड्रिंक है। हालांकि, अगर आप लैक्टोज इंटोलेरेंट हैं, तो डॉक्टर से सलाह लेकर पिएं।

तुलसी का पानी

तुलसी को पानी में भिगोकर पीना बहुत ही लाभदायक होता है। तुलसी में गुणकारी तत्व होते हैं, जो विशेष रूप से वायरल इन्फेक्शन और अन्य बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी के पानी को पीने से शरीर को प्राकृतिक तरीके से ऊर्जा मिलती है और इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलती है।

नारियल पानी

नारियल पानी यानी कोकोनट वाटर आपको पूरी तरह से हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट, विटामिन और मिनिरल जैसे पोषक तत्व, आपको पोषण देने का काम करते हैं ।

हर्बल टी

बहुत सारे पोषक तत्वों से भरपूर हर्बल टी आश्चर्यजनक फायदे देने वाला हेल्थ ड्रिंक है। इसे भी आप ब्रेकफास्ट में शामिल कर सकते हैं।

स्मूदी

अनेक गुणों से युक्त फलों से बनने वाले स्मूदी सुबह की शुरुआत के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। फलों में मिलने वाले सारे पोषक तत्त्व स्मूदी के माध्यम से अच्छे से मिल सकते हैं।

हरा चना खाने के फायदे

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। हरा चना सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है क्योंकि इसमें अनेक पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। यह हाई प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत होता है। फाइबर पाचन को सुधारता है और कोलेस्ट्रॉल भी कम करता है। इसके अलावा, हरे चने में विटामिन और मिनरल की भरपूर मात्रा होती है, जो आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और बीमारियों से बचाव में मदद करते हैं। इसलिए हरा चना एक ऐसा फूड ऑटम है, जो आपकी सेहत को स्वस्थय बनाए रखने में मदद करता है। आइए जानते हैं, हरे चने से होने वाले फायदों के बारे में। हरे चने में प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है, जो मांस और दूध उत्पादों के लिए बेहतर विकल्प है। फाइबर का सेवन पाचन को सुधारता है, वजन को नियंत्रित रखता है, और कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। हरे चने में विटामिन्स और मिनरल्स की भरपूर मात्रा होती है, जैसे कि विटामिन-सी, ई, के, फोलेट, मैग्नीशियम और पोटेशियम। ये हमारी मसल्स को मजबूत बनाते हैं और ग्रोथ में सहायक होते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। भरपूर मात्रा में फाइबर और प्रोटीन होने के कारण, हरे चने वेट लॉस में सहायक होते हैं। हरे चने का नियमित सेवन हमारे शरीर में ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन रखने में मदद करता है जिससे डायबिटीज जैसी बीमारी से बचा जा सकता है। फाइबर और अन्य पोषक तत्व दिल को हेल्दी रखते हैं और दिल के रोग की संभावना को कम करते हैं।

कैंसर की वजह बन सकता है गोभी मंचूरियन

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। हानिकारक प्रभावों को देखते हुए कर्नाटक में इसे बैन कर दिया गया है। गोवा, तमिलनाडु, पुदुचेरी और महाराष्ट्र के बाद अब कर्नाटक में भी कैंसर का कारण बनने वाले फूड कलरिंग एजेंट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य सरकार द्वारा तय इस किए इस प्रतिबंध का उल्लंघन करने पर जेल होगी। अगर आप भी अक्सर अपने बच्चों को कॉटन कैंडी या फिर दोस्तों के साथ गोभी मंचूरियन का लुत्फ उठाने का मन बना रहे हैं, तो इससे पहले इसके हानिकारक प्रभावों के बारे में जरूर जान लें। दरअसल, हाल ही में हुए कुछ लैब टेस्ट में पता चला कि एक्सट्रा कलर और सॉस तैयार गोभी मंचूरियन में बड़ी मात्रा में कैंसरकारी पदार्थ पाए गए हैं। इसके नियमित सेवन से कैंसर हो सकता है। इसके अलावा कलर कॉटन कैंडी भी सेहत के लिए हानिकारक

साबित हुई है। एक टेस्ट में यह सामने आया कि इन दोनों फूड आइटम्स को तैयार करने के लिए कैंसर की वजह बनने वाले एडिटिव्स रोडामाइन-बी और टार्ट्राजिन का इस्तेमाल किया जा रहा था। इस जानकारी के सामने आने के बाद कर्नाटक स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने इस्तेमाल किए गए एडिटिव्स की क्वालिटी का परीक्षण करने के लिए किनारे मौजूद विभिन्न भोजनालयों और होटलों से इन फूड आइटम्स के लगभग 171 नमूने एकत्र किए, जिसके निष्कर्ष में पाया गया कि इन व्यंजनों में लगभग 107 असुरक्षित आर्टिफिशियल रंग पाए गए, जो चिंताजनक है। इस निष्कर्ष के सामने आते ही तुरंत प्रतिबंध लगाने के लिए कार्रवाई की गई। रोडामाइन-बी एक हानिकारक केमिकल कलरिंग एजेंट है, जिसका व्यापक रूप से कपड़ा रंगाई और कागज उद्योग में उपयोग किया जाता है। यह केमिकल अपने हरे रंग के लिए जाना जाता है। तरल पदार्थों के संपर्क में आने पर, इसमें परिवर्तन होता है और यह अपने मूल रंग से गुलाबी या लाल रंग में बदल जाता है। यह केमिकल गोभी मंचूरियन या कॉटन कैंडी जैसे व्यंजनों को बनाने के लिए बड़े स्तर पर इस्तेमाल किया जाता है। एक कार्सिनोजेनिक एजेंट के रूप प्रचलित रोडामाइन-बी के नियमित सेवन से कैंसर का संभावित खतरा होता है। टार्ट्राजिन को दूसरा सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला फूड कलरिंग एजेंट माना जाता है। कोल्ड ड्रिंक्स, बेक्ड फूड आइटम्स, जिलेटिन बेस्ड प्रोडक्ट्स, अचार और समेत विभिन्न फूड आइटम्स में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। इस चमकीले पीले रंग को अक्सर फूड आइटम्स को एक नारंगी या गहरा पीला रंग देने के लिए उपयोग किया जाता है। कर्नाटक से पहले पुडुचेरी और तमिलनाडु की सरकारों ने भी कलर कॉटन कैंडी के उत्पादन में रोडामाइन-बी पाए जाने के बाद इसे बनाने और बेचने पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश जारी किया है। इसके अलावा उत्तरी गोवा की मापुसा नगर परिषद भी सड़क के किनारे स्टॉल पर मिलने वाले गोबी मंचूरियन की बिक्री बैन लगा चुकी है।

रमजान के लिए तैयार करके रखें ये स्नैक्स

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। मुस्लिम धर्म में रमजान का महीना काफी पाक माना जाता है। इस पूरे महीने लोग सुबह से शाम तक यानी सूर्योदय होने से लेकर सूर्यास्त तक रोजा रखकर अल्लाह की इबादत करते हैं। वैसे तो रमजान में सभी मुस्लिम लोगों को रोजा रखना अनिवार्य माना जाता है, लेकिन बच्चों और शारीरिक रूप से अस्वस्थ लोगों को रोजा रखने के लिए छूट दी गई है। इस पूरे महीने लोग काफी संयम से रहते हैं। वो या तो सूरज निकलने से पहले सहरी में कुछ हल्का-फुल्का खाते हैं, नहीं तो पूरे दिन इंतजार करने के बाद ही जब इफ्तार होता है तब रोजा खोला जाता है। इफ्तार और सहरी के लिए लोग अपने-अपने घरों में तमाम तरह के पकवान बनाते हैं। ऐसे में महिलाओं के सामने अक्सर ये दिक्कत आती है कि वो हर रोज क्या अलग बनाएं। ऐसे में हम आपको कुछ ऐसे स्नैक्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप बनाकर स्टोर करके रख

सकती हैं। सहरी के साथ आप इफ्तार में भी इसका सेवन कर सकते हैं। पोहे की नमकीन बनाना काफी आसान है। अगर आपको नमकीन खाने का शौक है, तो आप सहरी और इफ्तार के लिए पोहा नमकीन बनाकर तैयार करा सकती हैं। ये खाने में काफी हल्की होती है, इसलिए आप इसका सेवन रोजा खोलने के बाद कर सकते हैं।आप मखाने को अच्छी तरह से भून कर इसे डिब्बे में बंद करके रख सकती हैं। मखाने भूनने के बाद इसकी नमकीन तैयार करें। इस नमकीन का सेवन अगर आप सहरी में करेंगे तो ये आपको दिनभर एनर्जी प्रदान करेगी। कहा जाता है कि रोजा खोलने के बाद हमेशा हल्का ही खाना चाहिए। ऐसे में सहरी और इफ्तार में आलू के चिप्स बनाकर आप रख सकती हैं।

पंत को बीसीसीआई ने फिट घोषित किया

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। ऋषभ पंत ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। उन्हें बीसीसीआई ने फिट घोषित किया। बीसीसीआई ने ही बताया कि गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव आईपीएल के शुरुआती 2 मैच नहीं खेल सकेंगे। वह अब तक सर्जरी कराने के बाद रिकवर नहीं हो सके हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऋषभ पंत, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद शमी की इंजरी पर अपडेट दिया। बोर्ड ने बताया, 14 महीने के लम्बे रिहैब और रिकवरी प्रोसेस के बाद ऋषभ पंत अब विकेटकीपिंग और बैटिंग करने के लिए फिट हैं। वह

आईपीएल 2024 में हिस्सा ले सकते हैं। बोर्ड ने कहा कि प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद शमी फिलहाल इंजरी से रिकवरी कर रहे हैं। दोनों ही खिलाड़ी आईपीएल में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। प्रसिद्ध ने 23 फरवरी को सर्जरी कराई। दूसरी ओर शमी ने भी फरवरी के आखिरी सप्ताह में ही सर्जरी करवाई। दोनों को फिट होने में सितंबर तक का समय लग जाएगा। सूर्यकुमार यादव आखिरी बार दिसंबर 2023 में भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट खेलते नजर आए थे। यहां साउथ अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने टी-20 में टीम इंडिया की कप्तानी की थी। इसी दौरान वे फील्डिंग के दौरान गेंद रोकने की कोशिश में इंजर्ड हो गए। सूर्या को पैर में चोट लगी थी, जिसका इलाज कराने के लिए वे भारत लौटे। उन्होंने हर्निया की सर्जरी कराई और फिर ह्ष्ट्र में रिहैब शुरू कर दिया। ह्ष्ट्र से उनके अब तक फिट होने की जानकारी नहीं मिली है। सर्जरी के कारण सूर्यकुमार की वापसी अब तक कन्फर्म नहीं हो सकी है। दिसंबर में इंजर्ड होने के बाद से वे ह्ष्ट्र में रिकवरी कर रहे हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट अनुसार सूर्यकुमार मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए शुरुआती 2 मैच नहीं खेल सकेंगे। आईपीएल का 17वां सीजन 22 मार्च से शुरू हो रहा है। मुंबई अपना पहला मैच 24 मार्च को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलेगी। टीम दूसरे मैच में 27 मार्च को सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। दोनों में ही सूर्या का खेलना मुश्किल है।

भारत के खिलाफ भी ओपनिंग करेंगे स्मिथ

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ पिछले 2 महीने से टेस्ट में ओपनिंग कर रहे हैं। वह 8 पारियों में एक ही फिफ्टी लगा सके हैं, जिस कारण दिग्गज खिलाड़ी उन्हें इस पोजिशन से हटाए जाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, टीम के कोच एंड्रयू मैक्डॉनाल्ड ने उनकी ओपनिंग का बचाव किया। मैक्डॉनाल्ड ने कहा, भारत के खिलाफ खेलना चैलेंजिंग होगा, लेकिन स्मिथ इस टीम के खिलाफ बहुत रन बनाते हैं। इसलिए वह ओपनिंग से ही उन पर दबाव बनाने के मोटिवेशन के साथ खेलेंगे। स्मिथ ने खुद वॉर्नर (डेविड) के रिटायरमेंट के बाद ओपनिंग की इच्छा जताई थी। अब वह इस पोजिशन पर खेलने भी लगे हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर ने इसी साल

जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से रिटायरमेंट लिया था। उनके बाद स्टीव स्मिथ ने उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करना शुरू कर दिया। हालांकि, वह 8 पारियों में एक फिफ्टी ही लगा सके। इस दौरान उन्होंने 12, 11, 6, 91*, 31, 0, 11 और 9 रन के स्कोर बनाए। मैक्डॉनाल्ड ने कहा,टेस्ट में ओपनिंग करना स्मिथ के लिए नया चैलेंज है। वह अपनी गलतियों पर काम करेंगे। अगर हम किसी नए ओपनर को भी मौका दें तो उसे 4 टेस्ट तो खिलाने ही पड़ेंगे। स्मिथ के लिए तो हम थोड़े ज्यादा मौके दे ही सकते हैं। भविष्य में बदलाव हो सकते हैं, लेकिन फिलहाल टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-0 से टेस्ट सीरीज जीती है। टीम ने पिछले 12 में से 8 टेस्ट जीते हैं। जिनमें से 4 इंग्लैंड और न्यूजीलैंड में रहे। किसी भी टीम के लिए हमारी टीम को हराना मुश्किल है, इसलिए हम इसी कॉम्बिनेशन के साथ भारत के लिए भी तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया टीम ने भारत के खिलाफ आखिरी बार 2014-15 में स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ही टेस्ट सीरीज जीती थी। तब से टीम को 4 टेस्ट की चार सीरीज 2-1 के अंतर से गंवानी पड़ गई। इनमें से 2 तो कंगारू टीम ने अपने घर पर ही गंवाई। दोनों के बीच आखिरी सीरीज 2023 में भारत में हुई, इसे भी भारत ने 2-1 से जीता। अब इसी साल नवंबर में दोनों के बीच 5 टेस्ट की सीरीज शुरू होगी। जो जनवरी तक चलेगी। ऑस्ट्रेलिया के कोच एंड्रयू मैक्डॉनाल्ड ने कन्फर्म किया कि मिचेल मार्श ही टी-20 वर्ल्ड कप में टीम की कप्तानी करेंगे। मार्श ने पिछले साल सितंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली बार टीम की कप्तानी की थी। तब से पैट कमिंस की मौजूदगी के बावजूद मार्श ने ही कमान संभाली। अब कोच मैक्डॉनाल्ड ने कहा, मार्श ही टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के बेस्ट कप्तान रहेंगे। ऐरन फिंच के बाद उन्होंने टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला। सारी चीजें समझने के बाद मार्श ही वर्ल्ड कप में कप्तानी करते नजर आ रहे हैं। 2024 का टी-20 वर्ल्ड कप 1 जून से शुरू होगा। 20 टीमों के बीच 55 मुकाबले अमेरिका और वेस्टइंडीज के 9 स्टेडियम में 29 दिन तक खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 6 जून को ओमान के खिलाफ बारबाडोस में खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भी स्टीव स्मिथ का बचाव किया। उन्होंने कहा कि स्मिथ जैसे अनुभवी प्लेयर्स तो किसी भी वर्ल्ड कप टीम में होने ही चाहिए। वर्ल्ड कप जैसे टूर्नामेंट में स्मिथ जैसे खिलाड़ी टीम को प्रेशर सिचुएशन में संभाल कर रखते हैं। हालांकि, पोंटिंग ने कहा कि स्मिथ स्क्वॉड में तो रहेंगे, लेकिन उनका प्लेइंग-11 में शामिल होना मुश्किल है। ऑस्ट्रेलिया टीम जिस तरह से टी-20 फॉर्मेट में खेल रही है, यहां स्मिथ का हर मुकाबले की प्लेइंग-11 में शामिल होना मुश्किल है।

राशिद खान वापसी के लिए तैयार,आयरलैंड के खिलाफ कप्तानी करेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। अफगानिस्तान के टी-20 कप्तान राशिद खान इंजरी से रिकवरी करने के बाद वापसी के लिए तैयार हैं। वह आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे। सीरीज का पहला मुकाबला 15 मार्च को खेला जाएगा। लेग स्पिन ऑलराउंडर राशिद पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप के दौरान इंजर्ड हो गए थे। टूर्नामेंट के बाद उन्होंने सर्जरी कराई, जिस कारण वह 3 महीने तक क्रिकेट नहीं खेल सके। अब वह आयरलैंड के खिलाफ कप्तानी करेंगे और आईपीएल भी खेलेंगे। राशिद खान ने ड्ढष्ठह्र को दिए इंटरव्यू में कहा, देश के लिए अगली सीरीज (आयरलैंड के खिलाफ टी-20) में खेलने का प्लान

है। पिछले 2 दिनों से ट्रेनिंग ठीक रही, मुझे ज्यादा दिक्कत नहीं आई। उम्मीद है कि जल्द ही नेशनल टीम की जर्सी पहनकर मैदान में उतरूंगा। रिहैब के दौरान पिछले 3 महीने मुश्किल रहे। रिकवर करने में उम्मीद से ज्यादा टाइम लग गया। मैं पिछले 7-8 महीने से पीठ में दर्द से जूझ रहा हूं। डॉक्टर्स ने मुझे वर्ल्ड कप से पहले ही सर्जरी कराने की सलाह दी थी, लेकिन इतने अहम टूर्नामेंट से पहले सर्जरी कराना मतलब टूर्नामेंट नहीं खेल पाना। मैंने सर्जरी टाली और टूर्नामेंट खेला। सर्जरी के बाद अब मुझे अच्छा लग रहा है। रिकवरी बहुत धीरे-धीरे हुई, लेकिन अब मेरा फोकस फील्ड पर वापसी कर अपने देश को खुशी पहुंचाना है। वापसी के बाद फॉर्म वापस पाना भी एक चुनौती रहेगी। राशिद ने कहा,टी-20 वर्ल्ड कप से पहले तक सभी मैच खेलना जरूरी है। आयरलैंड के खिलाफ सीरीज से भी हम टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रहे हैं। टीम का फोकस बड़े इवेंट के लिए पूरी तरह तैयार रहने पर है। अगले 2 महीने टीम के रूप में हमारे लिए बेहद जरूरी हैं। टूर्नामेंट से पहले आयरलैंड के खिलाफ ही हम आखिरी मुकाबले खेलेंगे। मुझे आईपीएल में भी खेलने का फायदा मिलेगा। अच्छी बात यह है कि टीम के ज्यादातर खिलाड़ी आईपीएल खेलेंगे, इसलिए उनकी भी तैयार होगी। जो खिलाड़ी टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हैं, उनसे भी हम लगातार बात करते रहेंगे। अफगानिस्तान की टीम इस वक्त आयरलैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट की सीरीज खेल रही है। एकमात्र टेस्ट आयरलैंड ने जीता। वनडे सीरीज का पहला मुकाबला अफगानिस्तान के नाम रहा। वहीं दूसरा मुकाबला बारिश के कारण बेनतीजा हो गया। तीसरा वनडे आज शारजाह में भारतीय समयानुसार शाम 5 बजे से खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के 3 मुकाबले 15, 17 और 18 मार्च को खेले जाएंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के साथ राशिद के आईपीएल में शामिल होने के दरवाजे भी खुल गए। राशिद टूर्नामेंट में गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा हैं। उनकी टीम 2022 में टूर्नामेंट में शामिल हुई और पहले ही सीजन में चैंपियन बनी। 2023 में भी टीम ने फाइनल में जगह बनाई, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ गया। गुजरात ने शुरुआती 2 सीजन हार्दिक पंड्या की कप्तानी में खेले। अब हार्दिक मुंबई इंडियंस में पहुंच चुके हैं। इसलिए गुजरात की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे। राशिद खान दोनों सीजन टीम के उप कप्तान रहे, वह इस बार भी गुजरात के उप कप्तान रहेंगे।

फाइनल में मुशीर ने जड़ा शतक अय्यर 95 रन बनाकर आउट

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। रणजी ट्रॉफी का खिताबी मुकाबला 41 बार के चैंपियन मुंबई और दो बार के चैंपियन विदर्भ के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। विदर्भ के कप्तान अक्षय वाडकर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 224 रन बनाए। जवाब में विदर्भ की पहली पारी 105 रन पर सिमट गई। अपनी दूसरी पारी में मुंबई ने छह विकेट पर 357 रन बना लिए हैं। फिलहाल शम्स मुलानी और शार्दुल ठाकुर क्रीज पर हैं। पृथ्वी शॉ 11 रन, भूपेन लालवानी 18 रन, अजिंक्य रहाणे 73 रन, श्रेयस अय्यर 95 रन, हार्दिक तमोर पांच रन और मुशीर खान

136 बनाकर आउट हुए। इसी के साथ मुंबई ने 450 से ज्यादा रन की बढ़त बना ली है। शार्दुल ठाकुर ने ध्रुव शोरे को पवेलियन भेजा। वह खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, धवल कुलकर्णी ने अमन मोखादे और करुण नायर को पवेलियन भेजा। अमन आठ रन बनाकर आउट हुए। वहीं, करुण खाता भी नहीं खोल सके। आज विदर्भ ने तीन विकेट पर 31 रन से आगे खेलना शुरू किया और अथर्व तायदे के रूप में पहला झटका लगा। उन्हें धवल कुलकर्णी ने पवेलियन भेजा। अथर्व 23 रन बना सके। इसके बाद शम्स मुलानी का कहर देखने को मिला। उन्होंने आदित्य ठाकरे, अक्षय वाडकर और हर्ष दुबे को पवेलियन भेजा। आदित्य 19, अक्षय पांच और हर्ष एक रन बना सके। इसके बाद तनुश ने तीन विकेट लेकर विदर्भ की पारी को समेट दिया। उन्होंने यश राठौड़ (27), यश ठाकुर (16) और उमेश यादव (2) को पवेलियन भेजा। यश राठौड़ हाईएस्ट स्कोरर रहे। मुंबई के लिए अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच खेल रहे धवल कुलकर्णी ने तीन विकेट लिए। वहीं, शम्स मुलानी और तनुश कोटियान को भी तीन-तीन विकेट मिले। शार्दुल को एक विकेट मिला। मुंबई की शुरुआत अच्छी रही। पृथ्वी शॉ और भूपेन लालवानी ने पहले विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

इन्वेस्टर्स के विश्वास पर पूरी तरह खरा उतरेगा नए भारत का नया उत्तर प्रदेश

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी के नए कार्यालय का उद्घाटन किया तथा इन्वेस्टर्स के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीते 7 वर्षों में उत्तर प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल तैयार करने के लिए बहुत से रिफॉर्म किए गए हैं और आगे भी रिफॉर्म होने जा रहे हैं, क्योंकि यह आज की आवश्यकता है।यूपी को वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी के लक्ष्य को प्राप्त करना है तो हमें अधिक से अधिक निवेश को आकर्षित करना ही पड़ेगा। फैसिलिटेशन की सुविधा अधिक से अधिक उपलब्ध करानी ही पड़ेगी और उस दिशा में उत्तर प्रदेश पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि पूरा

विश्वास है कि देश और दुनिया के इन्वेस्टर्स जिन्होंने हम पर विश्वास जताया है, उनके विश्वास पर यह नए भारत का नया उत्तर प्रदेश पूरी तरह खरा उतरकर उनकी भावनाओं के अनुरूप एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उन्हें उपलब्ध कराएगा। इस अवसर पर निवेशकों ने यूपी में निवेश को लेकर अपनी राय रखी और सुझाव भी दिए। सीएम योगी ने सभी को ध्यान से सुना। इससे पहले सीएम योगी ने इन्वेस्ट यूपी की बुकलेट का भी विमोचन किया। सीएम योगी ने कहा कि आज से 7 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश पर कोई विश्वास नहीं करता था। हम जिससे भी बात करते थे वह उत्तर प्रदेश से अपने निवेश को ले जाने की बात तो करता था लेकिन लाने के लिए कोई व्यक्ति तैयार नहीं होता था। आज आप देख रहे होंगे देश के अंदर इन्वेस्टमेंट कैसे होता है यूपी उसकी एक नजीर प्रस्तुत करता है। 40 लाख करोड रुपए के निवेश प्रस्तावों के साथ ही अभी हाल में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 10 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्तावों को जमीनी धरातल पर उतार रहे हैं। उत्तर प्रदेश के लिए यह एक कल्पना थी, लेकिन वह आज हकीकत बन चुकी है। यह आप सबके विश्वास के कारण हुआ है। इसके लिए, आप सबका हृदय से अभिनंदन करता हूं। आपने नए भारत के नए उत्तर प्रदेश को देखा है। इसमें आप अपना व्यवसाय भी लगा रहे हैं। सुरक्षा का बेहतर माहौल है तो अत्यधिक इंफ्रास्ट्रक्चर भी हमारे पास है। एक्सप्रेस वे हो, हाईवे हो, रेलवे का डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर हो, आज यूपी में बेहतर कनेक्टिविटी है। सीएम योगी ने कहा कि कनेक्टिविटी में आज देश के अंदर सबसे अधिक एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के अंदर क्रियाशील हैं। प्रधानमंत्री जी ने परसों आजमगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट, अलीगढ़, मुरादाबाद एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। कल से ही वायु सेवा उन एयरपोर्ट्स पर प्रारंभ हो चुकी है और यह पूरी तरह फुल होकर जा रही है। आजमगढ़ जिसके नाम से पहले लोग डरते थे, आज वायु सेवा से जुड़ चुका है। एयरपोर्ट, हाईवे, यूनिवर्सिटी वहां पर स्थापित हो चुकी है। श्रावस्ती नेपाल से सटा हुआ छोटा सा जनपद है, लेकिन वहां पर एयरपोर्ट, वायु सेवा प्रारंभ हो चुकी है। पहले यूपी में इन्वेस्टमेंट एनसीआर में ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद तक सीमित होता था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में निवेश हुए हैं। यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश में निवेश समान रूप से पूरे प्रदेश को ध्यान में रखकर हो रहा है।

सैनी ने पांच कैबिनेट सहयोगियों के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

एजेंसी

चंडीगढ़, 12 मार्च (नवसत्ता) पहली बार भाजपा सांसद बने नायब सिंह सैनी ने मंगलवार को पांच कैबिनेट सहयोगियों के साथ हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बीजेपी-जेजेपी गठबंधन टूटने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला सहित उनके पूरे मंत्रिमंडल ने मंगलवार सुबह इस्तीफा दे दिया। इसके बाद भाजपा विधायकों की बैठक के दौरान अगले मुख्यमंत्री के लिए सैनी का नाम सर्वसम्मति से तय किया गया। सैनी राज्य में आठ प्रतिशत ओबीसी समुदाय पर मजबूत पकड़ रखते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने से पहले और बाद में खट्टर के पैर छुए। वह राज्य में चुनाव होने तक सात महीने के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे। सैनी जाति की कुरुक्षेत्र, यमुनानगर, अंबाला, हिसार और रेवाड़ी जिलों में अच्छी खासी आबादी है। सैनी के

साथ कंवर पाल गुज्जर, मूलचंद शर्मा, रणजीत सिंह चौटाला, जे.पी. दलाल और बनवारीलाल ने मंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने चंडीगढ़ के राजभवन में एक समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह निर्धारित समय से 20 मिनट पहले शुरू हो गया। इस समारोह में अनिल विज नहीं पहुंचे, जो खट्टर सरकार में गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री थे। वह सैनी का नाम प्रस्तावित होते ही सुबह की बैठक से उठकर चले गए। निवर्तमान मंत्रिमंडल में भाजपा नेता खट्टर और जेजेपी के तीन सदस्यों सहित 14 मंत्री शामिल थे। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में भाजपा के 41 विधायक हैं, जबकि जेजेपी के 10 हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन को सात में से छह निर्दलीय विधायकों का समर्थन प्राप्त है। सूत्रों के मुताबिक, खट्टर अब लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। माना जा रहा है कि उन्हें करनाल से मैदान में उतारा जा सकता है। खट्टर के करीबी संजय भाटिया, जो पंजाबी चेहरा हैं, उन्?होंने 2019 के चुनाव में 6.5 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी। वह सैनी की जगह पार्टी के राज्य प्रमुख बनाए जा सकते हैं। 2019 के लांकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य की सभी 10 सीटों पर जीत हासिल की थी। राजनीतिक पर्यवेक्षकों ने आईएएनएस को बताया कि सैनी की शीर्ष पद पर पदोन्नति को गैर-जाट और ओबीसी मतदाताओं को खुश करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

अदानी के खिलाफ भीम आर्मी मैदान में उतरी

संवाददाता

मुंबई,12 मार्च (नवसत्ता)। धारावी बचाओ अदानी हटाओ आन्दोलन अब नया रंग लेता नजर आ रहा है, आन्दोलन को भीम आर्मी का साथ मिल गया है, भीम आर्मी की ओर से धारावी में पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की तादाद में लोग शामिल हुए। धारावी बचाओ आन्दोलन को भीम आर्मी का साथ मिलने से आन्दोलन की ताकत बढ़ गई है। भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह तथा संस्थापक अध्यक्ष चंद्र शेखर आजाद के निर्देश पर धारावी बचाओ की पद यात्रा का आयोजन धारावी मेन रोड नूर मेडिकल से शुरु हुई जो धारावी रेस्टोरेंट पर एक सभा मे तब्दील हो गई, पद यात्रा में शामिल कार्यकर्ता अदानी हटाओ धारावी बचाओ के नारे लगा रहे थे उनके हाथों मे बैनर और पोस्टर थे। धारावी बचाओ अन्दोलन के समन्वयक संजय रमेश भाले राव ने कहा कि धारावी की जनता को मुलुंड डंपिंग या मिठागर मे फेकने वाले

अदानी को यहां की जनता अरब के सागर मे फेंक देगी, यहां की जनता को घर के बदले घर मिलना चाहिये, 500 वर्ग फीट की जगह और व्यापारियों का पुनर्वसन भी यहीं होना चाहिये।

भीम आर्मी के दक्षिण मध्य मुंबई जिला अध्यक्ष जाहिद अली शैख ने कहा कि जब तक धारावी पुनर्वसन का ब्लू प्रिंट घोषित नहीं होता आन्दोलन जारी रहेगा। धारावी की जनता किसी दबाव में आने वाली नहीं है, ब्लू प्रिंट को देखने के बाद अगली भूमिका तय की जायेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महा सचिव अशोक कांबले, महाराष्ट्र सचिव सीताराम गंगावणे, मुंबई अध्यक्ष अविनाश गरुड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

गोविंद सिंह नरोत्तम मिश्रा से मिलने पहुंचे, कांग्रेस में मची हलचल

एजेंसी

भोपाल, 12 मार्च (नवसत्ता)। पूर्व गृह मंत्री और कांग्रेस के सीनियर नेता डॉ. गोविंद सिंह ने मंगलवार को बीजेपी की न्यू जॉइनिंग टोली के संयोजक डॉ नरोत्तम मिश्रा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच नरोत्तम के आवास में बंद कमरे में आधे घंटे तक चर्चा हुई। डॉ. नरोत्तम मिश्रा से मिलने के बाद, डॉ. गोविंद सिंह ने कहा, हमारी मुलाकातें होती रहती हैं। हम पड़ोसी हैं।

छात्र जीवन से एक-दूसरे के साथ हैं। वे हमारे यहां आते हैं, हम उनके यहां आते - जाते रहते हैं। कांग्रेस नेताओं के बीजेपी में शामिल होने पर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा, कई लोग इसलिए चले गए क्योंकि वे लोग जो मान-सम्मान चाहते थे, उतना मान-सम्मान पार्टी नहीं दे पाई। उनकी महत्वाकांक्षाएं ज्यादा हैं, इसलिए जा रहे हैं।

मेरा मुरैना से चुनाव लड़ने का विचार था, लेकिन मैंने विचार त्याग दिया है। वैसे पार्टी हमें टिकट भी नहीं

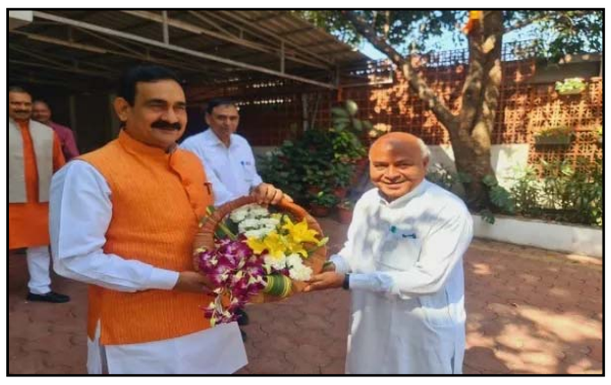

दे रही। डॉ गोविंद सिंह ने भाजपा में शामिल होने के सवाल पर कहा, हम भाजपा में जॉइन करने वाले नहीं हैं। हम तो दोस्ती के नाते आए हैं। अगर कोई ऐसी बात होती तो हम पहले ओपन करते हैं। आप लोगों को ओपन कर देंगे।

मैं कांग्रेस में हूं और कांग्रेस में रहूंगा। 'मैं जान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हम डॉ. नरोत्तम मिश्रा से हमेशा मिलते रहते हैं। चुनाव के बाद भी मिले हैं। दल अलग-अलग भले हैं, लेकिन दोस्ती है।

देखिए हरियाणा वाले वीरेंद्र सिंह भाजपा में हैं, उनका बेटा कांग्रेस में आ गया। दोनों बाप-बेटे एक साथ, एक मकान में रह रहे हैं। सुचेता कृपलानी कांग्रेस की नेता थीं। आचार्य कृपलानी समाजवादी थे। दोनों एक घर में रहते थे, लेकिन पार्टियां अलग-अलग थीं। अंत में, टिकट घोषणा के सवाल पर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा, यह पार्टी का नेतृत्व जाने, मैं टिकट वितरण कमेटी में नहीं हूं। जब दिल्ली में था तब बता देता था। यह तो नेतृत्व को देखना चाहिए। पार्टी ने जिन्हें जिम्मेदारी दी है वह निभा रहे हैं। हमें जो जिम्मेदारी देगी हम निभाएंगे।

कोरोना काल में जनता की खिदमत बिहारी संस्था ने की

मुंबई,12 मार्च (नवसत्ता)। अन्जुमन बाशिन्गाने बिहार के लोगों ने कोरोना काल में जनता की सेवा करके इंसानियत की एक मिसाल पेश की है, कुछ राजनैतिक पार्टियों के लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे थे,ऐसे में मानवता के लिये अपनी जिन्दगी की परवाह ना करना सही इंसानियत है, धारावी गोपीनाथ कालोनी स्थित अन्जुमन बाशिन्दगाने बिहार द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में सांसद अनिल देसाई ने उपरोक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने भाजपा का नाम लिये बगैर कहा कि कुछ पार्टियां हिन्दू मुस्लिम कह के देश में आग उगलने का काम कर रही है, ऐसे में आप लोगों को मिलजुल कर रहने की जरुरत है,उन्होंने शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे के संदर्भ में कहा कि बाला साहेब ने कभी भी धर्म की राजनीति नहीं की उन्होने शाबिर शैख को कामगार मन्त्री बनाया था,देसाई ने कहा की जहां सरकारी मशीनरी नहीं पहुच पाती वहाँ उद्धव ठाकरे की शिवसेना पहुच कर लोगो की मदद करती है।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी

रांची, 12 मार्च (नवसत्ता)। प्रवर्तन निदेशालय ने हजारीबाग जिले के बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। ईडी की यह कार्रवाई अंबा प्रसाद के हजारीबाग स्थित आवास में चल रही है। बताया जा रहा है कि बालू के अवैध कारोबार और जमीन पर जबरन कब्जा को लेकर ईडी की ओर से यह कार्रवाई की जा रही है।

फिलहाल ईडी की ओर से इस छापेमारी को लेकर किसी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के रांची स्थित आवास में भी ईडी की छापेमारी चल रही है। इसके अलावा अंबा प्रसाद के कई रिश्तेदारों के यहां भी दबिश दिए जाने की खबर है।

अंबा प्रसाद ने हाल ही में बीजेपी के पूर्व कद्दावर नेता यशवंत सिन्हा से मुलाकात की। अंबा प्रसाद के बारे में चर्चा थी कि वो हजारीबाग सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में लड़ने की तैयारी में जुटी थी।

जानकारी के अनुसार ईडी की टीम बड़कागांव विधायक के अलावा शशि भूषण सिंह समेत कुल 17 लोगों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ये कार्रवाई जमीन और बालू कारोबार में मनी लॉन्ड्रिंग मामले पर हो रही है। अब तक की सूचना के अनुसार ये सभी लोग विधायक अंबा प्रसाद के रिश्तेदार और करीबी बताए जाते हैं।

सूत्रों के अनुसार कथित अवैध बालू खनन, जबरन वसूली और कुछ अन्य अपराधों से संबंधित कई प्राथमिकताओं के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत ईडी की ओर से ये कार्रवाई की जा रही है।

चिराग के साथ कभी नहीं मिलेगा दल-दिल और परिवारः पशुपति पारस

एजेंसी

पटना, 12 मार्च (नवसत्ता)। लोकसभा चुनाव से पहले पशुपति पारस ने बीजेपी की टेंशन बढ़ा दी है। उन्होंने बीजेपी आलाकमान को साफ साफ कह दिया है कि चिराग पासवान के साथ दल, दिल और परिवार कभी नहीं मिलेगा। दरअसल, पशुपति पारस ने बिहार बीजेपी प्रभारी और महासचिव विनोद तावड़े से बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि वो हाजीपुर सीट से ही लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। उधर, चिराग पासवान भी बीजेपी अलाकमान के सामने हाजीपुर सीट से अपनी दावेदारी रख चुके हैं।

मुलाकात के दौरान विनोद तावड़े ने पशुपति पारस के सामने प्रस्ताव रखा कि चिराग पासवान और उनकी पार्टी एक बार फिर एक साथ हो जाएं। इसके जवाब में पशुपति पारस ने कहा कि चिराग पासवान एनडीए में हैं, इस पर उनका विरोध नहीं हैं लेकिन उनके (चिराग) साथ दल, दिल और परिवार कभी भी नहीं मिल सकता है। पारस

के इस बयान से बीजेपी को टेंशन बढ़ने वाली है। वहीं, दिल्ली में बीजेपी अलाकमान और बिहार बीजेपी के नेताओं के साथ सीट शेयरिंग को लेकर पशुपति पारस के साथ फिर मुलाकात हो सकती है।

बता दें कि लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान बिहार में इन दिनों धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट एजेंडे के तहत वो लोगों के पास जा रहे हैं। उनकी रैली में जबरदस्त भीड़ उमड़ रही है। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द, गठबंधन और सीट शेयरिंग और सीटों की संख्या साझा करेंगे। बिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए चिराग ने कहा है कि लोग ये जानना चाहते हैं कि चिराग पासवान किसके खेमे में हैं, तो मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि वे केवल बिहार के लोगों के साथ जुड़े हुए हैं।

बता दें कि बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर अभी कुछ फैसला नहीं हुआ है। बीजेपी की दूसरी लिस्ट जल्द आ सकती है। ऐसे में देखना होगा कि दूसरी लिस्ट में बिहार की सीटों का ऐलान होगा या नहीं? चिराग और पारस की उम्मीदवारी किस सीट से तय होगी? बता दें कि एलजेपी ने पिछले लोकसभा चुनाव में छह सीटों पर ताल ठोकी थी और सभी सीटें अपनी झोली में डालने में कामयाब हो गई थी, लेकिन इस स्थिति अगल हो गई है क्योंकि एलजेपी के दो फाड़ हो गए हैं।

मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने बीजेपी के लिए मांगा वोट

एजेंसी

मणिपुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने राज्य के लोगों से आग्रह किया कि वे नरेंद्र मोदी सरकार से समर्थन हासिल करने के लिए आगामी चुनावों में भाजपा को वोट दें क्योंकि वह राज्य के मुद्दों का समाधान कर रहे हैं। बीरेन ने कहा कि मणिपुर को बचाने और संरक्षित करने के लिए हमें केंद्र सरकार के समर्थन की आवश्यकता है, और समर्थन हासिल करने के लिए हमें केंद्र सरकार को मजबूत करना चाहिए। सिंह की यह टिप्पणी मणिपुर बिल्डिंग एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर्स वेलफेयर बोर्ड द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए की गई थी। इस बार पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न राज्यों में कई सार्थक कार्य किए गए हैं। आगामी एमपी (राष्ट्रीय) चुनाव में बीजेपी के 400 सांसद जीतेंगे। केंद्र में बीजेपी दोबारा आएगी, इसलिए यहां से भी हमें पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को मजबूत करने के लिए बीजेपी सांसदों को चुनना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए सिंह ने आगे कहा कि कठिन समय का सामना

करने के बावजूद, पूर्वोत्तर राज्य सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है। उन्होंने कहा कि तमाम गड़बड़ियों के बावजूद सरकार ने लोगों के कल्याण और राज्य के विकास के लिए काम करना बंद नहीं किया है।

बाद में एक्स पर एक पोस्ट में सिंह ने कहा कि इनर लाइन परमिट सिस्टम की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हो गई है, जिससे हमारी स्वदेशी आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित हो गई है। इसके अलावा, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गतिशील नेतृत्व के मार्गदर्शन में माननीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आदेश के अनुसार, भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी, जो हमारे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, एफएमआर को खत्म करना एक सुरक्षित और सुरक्षित वातावरण बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नशा केवल समाज नहीं बल्कि पूरी मानवता को नष्ट करता हैः राहुल नार्वेकर

सैय्यद जाहिद अली

मुंबई,12 मार्च (नवसत्ता)। दक्षिण मुंबई के दो टाकी स्थित सुन्नी मस्जिद बिलाल में नशा विरोधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुंबई के विभिन्न इलाकों से इमाम और उलेमाओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रजा एकेडमी के संस्थापक और सुन्नी जमीयत उलमा के उपाध्यक्ष मुहम्मद सईद नूरी ने की उलेमाओं ने नशे के खिलाफ जंग का ऐलान कर दिया है।

अतिथि मोईन मियां ने कहा कि मुस्लिम इलाकों में नशाखोरी और नशीली दवाओं की बिक्री आम होती जा रही है, जितनी आसानी से इन इलाकों में नशा मिल जाता है, उतना किसी और इलाके में नहीं मिलता। बेचने वालों ने अपना अड्डा बना लिया है। उन्होने महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नारवेकर से मादक पदार्थों की लत और मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए कड़े कदम उठाने की अपील की।

सईद नूरी ने कहा कि इस्लाम में नशा करना हराम है, मुसलमानों को

इस्लामी शिक्षाओं का पालन करना चाहिए और नशे से दूर रहना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नही, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करता है। नशा हर धर्म के लिए हानिकारक है, चाहे वह मुस्लिम हो या हिंदू, सिख हो या ईसाई, नशा न केवल समाज को नष्ट करता है बल्कि पूरी मानवता को नष्ट करता है हम सभी इसे मिटाने के लिए मिलकर काम करें। मैं इस बुराई को समाज से उखाड़ फेंकने का यथासंभव प्रयास करूंगा, इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठाऊंगा, मैं पुलिस के आला अधिकारियों के साथ बैठक करूंगा और सख्त कार्रवाई का आदेश दूंगा इस मामले में उन्होने सभी से समर्थन करने की अपील की उन्होने आश्वसन दिया कि नशे की लत के खात्मे के लिए विद्वानों और इमामों ने उनके सामने जो मांगें रखी हैं, उन्हें मैं पूरा करने की कोशिश करूंगा। मस्जिद कुबा के उपदेशक और इमाम मौलाना अमानुल्लाह रज़ा ने कहा कि इमामों को शुक्रवार की नमाज़ में नशे के हानिकारक प्रभावों पर भाषण देना चाहिए।

मौलाना खलीलुर्रहमान नूरी ने कहा कि यह इमामों और लोगों की जिम्मेदारी है कि वे समाज से इस बुरे अभिशाप को खत्म करने के लिए मिलकर काम करें। उनकी ट्रेनिंग पर भी ध्यान देना जरूरी है। मुफ्ती मंजर हसन ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी नई पीढ़ी में जहर घोलना है। अगर पुलिस विभाग चाहे तो इस धंधे को रोका जा सकता है। मौलाना महफुजुर रहमान ने कहा कि नई पीढ़ी नशे का शिकार है। लोगों को इसके नुकसान के बारे में जागरूक करना बहुत जरूरी है। कारी अताउर रहमान ने कहा कि समाज के हर सदस्य को नई पीढ़ी से इस बुरे अभिशाप को दूर करने के लिए प्रयास करना चाहिए। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्वानों और इमामों ने हिस्सा लिया।

प्राधिकरण के तहत प्रस्तावित 21 कार्यों में से 11 कार्यों की प्रदान की गयी स्वीकृति

संवाददाता

मिर्जापुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। मण्डलायुक्त/अध्यक्ष शक्तिनगर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) बोर्ड डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0 की अध्यक्षता में मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभागार मिर्जापुर में प्राधिकरण बोर्ड के सदस्यों/ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बैठक आहूत की गयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सोनभद्र ने जानकारी देते हुये बताया कि साडा बोर्ड में आयुक्त विन्ध्याचल मण्डल अध्यक्ष, प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन उत्तर प्रदेश, प्रमुख सचिव वित्त विभाग उत्तर प्रदेश, प्रमुख सचिव नियोजन विभाग उत्तर प्रदेश, मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक उत्तर प्रदेश, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड शक्तिभवन लखनऊ, अध्यक्ष उत्तर प्रदेश जल

निगम, जिलाधिकारी सोनभद्र, महाप्रबन्धक एन0टी0पी0सी0 सिंगरौली, सुपरपावर प्रोजेक्ट शक्तिनगर, महाप्रबन्धक एन0 टी0 पी0 सी0 रिहंद सुपरपावर थर्मल प्रोजेक्ट रिहंदनगर सोनभद्र, महा प्रबन्धक नार्दन कोलफिल्डस लिमिटेड, बीना सोनभद्र, मुख्य महाप्रबन्धक अनपरा तापीय परियोजनाएं अनपरा के अलावा धर्मवीर तिवारी राबर्ट्सगंज सोनभद्र, केसी जैन अनपरा सोनभद्र साडा बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित हैं, जबकि बैठक में प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन के प्रतिनिधि, प्रमुख सचिव वित्त के प्रतिनिधि मुख्य कोषाधिकारी अर्चना त्रिपाठी, प्रमुख सचिव नियोजन के प्रतिनिधि उप निदेशक अर्थ एवं संख्या विन्ध्याचल मण्डल, मुख्य नगर एवं नियोजक उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधि सहयुक्त नियोजक नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग वाराणसी तथा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड शक्तिभवन के प्रतिनिधि, मुख्य महाप्रबन्धक ओबरा ताप एवं जल विद्युत परियोजना सोनभद्र के अलावा सभी सम्बन्धित सदस्यगण उपस्थित रहे। बैठक का शुभारम्भ विगत दिनांक 24.05.2023 को 48वीं बोर्ड की बैठक में लिये गये निर्णय की अनुपालन आख्या मण्डलायुक्त द्वारा समीक्षा की गयी। तत्पश्चात वित्तीय वर्ष 2023-24 के अन्तर्गत वास्तविक आय/व्यय के अनुमोदन एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 के प्रस्तावित बजट की स्वीकृति पर विचार किया गया। मण्डलायुक्त ने कहा कि प्राधिकरण के आय बढ़ाने हेतु कार्ययोजना बनायी जाय। बैठक में प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत साडा के वित्त पोषण से महत्वपूर्ण तिराहों/ चौराहों/ संवेदनशील स्थलों/ जनपदीय सीमाओं पर 15 सी0सी0टी0वी0 कैमरो का व्यवस्थापन सम्बन्धी प्रस्ताव पर भी विचार विमर्श करते हुये बोर्ड के सदस्यों के सहमति से स्वीकृति प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2024-25 के अन्तर्गत साडा के वित्त पोषण से प्रस्तावित/निर्माण विकास कार्यो को कराये जाने हेतु कुल 21 प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया जिसमें बोर्ड के सदस्य के सहमति पर 11 कार्यो की स्वीकृति प्रदान की गयी। विद्युत लाइन को अन्यत्र स्थानान्तरित करने का कार्य विकास खण्ड म्योरपुर में रामवृक्ष के घर के पास (धुर्वाह) में पुलिया का निर्माण कार्य, विकास खण्ड म्योरपुर में ही मिनी स्टेडियम से राम विचार के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण, ब्लाक म्योरपुर ग्राम पंचायत कुरडोमरी टोला हरिहरपुर में डोमिया नाला पर पुलिया निर्माण म्योरपुर के ग्राम पंचायत पाटी ज्ञानदास के घर के पास पुलिया निर्माण, विकास खण्ड बभनी में ग्राम पंचायत भर में बाल गोविन्द के घर के पास डुमरहरी नाला के पास पुलिया निर्माण, विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत गिनाई में घनश्याम के घर के पास नाली पर पुलिया निर्माण, विकास खण्ड में ही ग्राम पंचायत चाची कला में छबीले लाल के घर के पास बकवा नाले पर पुलिया निर्माण के कार्य कराने जाने हेतु अध्यक्ष/ मण्डलायुक्त द्वारा सदस्यगण के सहमति पर स्वीकृति प्रदान की गयी।

बेलवाई धाम में महाशिवरात्रि मेले का समापन

संवाददाता

सुलतानपुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। योध्या व काशी के मध्य चार जनपद, सुल्तानपुर, जौनपुर, आजमगढ़ तथा अंबेडकरनगर की सीमा पर स्थित सिद्धपीठ श्री भुवनेश्वरनाथ महादेव प्राचीन मंदिर प्रांगण में महा शिवरात्रि पर्व पर आयोजित तीन दिवसीय मेले का समापन सकुशल संपन्न हो गया। महाशिरात्रि पर्व के प्रथम दिन जहां दूर दूर से आए करीब एक लाख शिव भक्तों ने जलाभिषेक किया वहीं विगत कई वर्षों की भांति इस वर्ष भी विधायक राजबाबू उपाध्याय और श्री विश्वनाथ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के कुलानुशासक डा.वेद प्रकाश सिंह राजू भइया अपने बड़े भाईशशि प्रकाश सिंह के साथ सपरिवार बाबा का विधिवत दर्शन पूजन किया। बताया गया कि इस

वर्ष डा वेद प्रकाश सिंह राजू भइया ने पूरे मंदिर प्रांगण को अयोध्या की तरह रंग रोगन कर दूल्हन की तरह सजाया जिससे परिसर की शोभा बढ़ा गयी। मंदिर प्रांगण में कई समाज सेवियों द्वारा भक्तो के लिए विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। मेला के दूसरे दिन भी बड़ी तादाद में शिव भक्त पवित्र पावनी जल लाकर बेलवाई धाम आकार स्वयंभू शिवलिंग का जलाभिषेक और दर्शन पूजन किया। मेला के तीसरे और समापन दिवस पर मेला प्रांगण में मेले में मात्र महिलाओं का प्रवेश हुआ। जिसमें महिलाओं ने मंदिर स्थित सती माता का पूजन किया और मेले में जमकर चूड़ी और श्रृंगार सामग्री की खरीददारी किया। मेले का झूला और देवदीप मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा आयोजित खोया पाया प्रसारण मंच आकर्षण का केंद्र रहा। मेले में खो चुके और बिछड़ गए 153 लोगों को उनके परिवार से बच्चो को मिलाया गया।इस कार्यक्रम में संस्था सचिव पूर्व प्रधान दिलीप कुमार मोदनवाल सहित रत्नेश पांडेय,राजेश गिरी, कतारू बिंद,कृष्ण कुमार सिंह,राजकुमार राजभर,पिंटू राजभर प्रधान,संत प्रसाद चौबे,डब्बू सिंह, मो मुस्लिम,विनोद सिंह,राजकमल,प्रमोद मोदनवाल,कुलदीप,ललित गिरी,जोगी पांडेय का काफी सहयोग रहा। स्वास्थ विभाग द्वारा दवा दी जा रही थी।थाना प्रभारी कपिलमुनि सिंह व शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित पीएसी के स्टाफ मेला की सुरक्षा में लगे रहे।

ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

संवाददाता

मिर्जापुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। स्थानीय विकास खंड में जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को आर्थिक अनुसंधान केन्द्र देवरी नदी तीर के तत्वावधान में क्षेत्र के हर्रा , कुशियरा ,गुर्गी ग्राम पंचायतों में लोगों को जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में रैली, गीत, नारों,नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम में महिला पुरूषों तथा बालक बालिकाओं को कानूनी अधिकारों व सरकार की योजनाओं की जानकारी दी गई। कलाकारों ने गीत, नारों, नाटक ,भाषण के माध्यम से सरकारी योजनाओं के बारे में लोगो को जागरूक किया।

संस्था के ब्लाक समन्वयक मानेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि हलिया ब्लाक के कुल 15 पंचायतों में इस

समय जागरूकता अभियान कार्यक्रम के तहत लोगो को वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन,दिव्यांग पेंशन, राशनकार्ड, कन्या सुमंगला योजना, जननी सुरक्षा योजना समेकित बाल विकास योजना, मनरेगा, एस एम सी, व वीएच एन सी को मजबूत कर स्वास्थ्य शिक्षा में बेहतर सुधार व सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। जिसका नाम सक्रिय नागरिकता है। इस दौरान उदयप्रताप सिंह, जगजीवन,अंजू देवी श्री रामलल्लू सिंह,जय प्रकाश कश्यप, अनारकली, अन्नो देवी , फगुनी देवी, रविप्रताप सिंह, गौरी देवी, विवेक सिंह , छोटेलाल शर्मा, अमृतलाल , गुलाब प्रसाद, रेनू गुप्ता, गौरीशंकर शर्मा, साक्षी सिंह वहीदा बानो, पुष्पा देवी आशा देवी, बबिता आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने भूमि पूजन कर किया कार्य का शुभाम्भ

संवाददाता

मिर्जापुर, 12 मार्च (नवसत्ता)। जिले की प्राचीन लोंहदी नदी के जीर्णोद्धार के लिए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने विधि विधान पूर्वक भूमि पूजन कर तथा हाथों में फावड़ा लेकर नदी के तलहटी में खुदाई कार्य का शुभारंभ करते हुए लोगों का आह्वान किया कि वे इस नदी के जीर्णोद्धार के साथ-साथ इसे संरक्षित करने के लिए आगे आएं। लोहंदी नदी को उन्होंने 11 ग्राम पंचायतों के लोगों के लिए जीवन दायिनी बताते हुए कहा कि यह महज एक नदी नहीं बल्कि जीवन दायिनी भी हैं जिनका सीधा लगाव आम जनों से लेकर छोटे बड़े सभी जीव जंतुओं, पशु पक्षियों एवं खेत खलिहानों से भी जुड़ा हुआ है जिसकी अपेक्षा नहीं बल्कि इन्हें संरक्षण करने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने प्राचीन लोंहदी नदी के जीर्णोद्धार के

लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि बरसात से पहले हमें जल संरक्षण पर कार्य करना है। उन्होने कहा कि 02 वर्षों से पर्याप्त मात्रा में बारिश नहीं हुई है। वर्षा न होने से नदियों के जल स्तर पर भी काफी प्रभाव पड़ा है। नदी तालाब हो गए हैं उन्होंने कहा कि नदी (जल स्रोत) कभी सूखते नहीं बल्कि हमारी अपेक्षाओं से यह सूखते हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि लोंहदी नदी 11 ग्राम पंचायतों को जोड़ते हुए 16 किलोमीटर में फैली हुई है जहां 19 चेक डैम यानी हर किलोमीटर पर चेक डैम बने हुए हैं जो सुरक्षित हो तो हर वर्ष वर्षा का पानी नदी में बराबर बना रहे नदी के तलहटी का मिट्टी खेतों के लिए खास उपयोगी है इसके बारे में उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि नदी के खुदाई में सभी सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ इस मिट्टी का उपयोग अपने खेतों में करें, खेती के लिए काफी उपयोगी ही नहीं बल्कि ऊर्जावान भी है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिले के विकासखंड सिटी में विलुप्त लोंहदी नदी का उद्गम स्थल बरकछा खुर्द के राजस्व गांव अटारी से होता है जो ग्राम पंचायत बरकछा खुर्द के अटारी से होते हुए विकासखंड के पर बरकछा खुर्द, छीतपुर, सिरसी गहरवार, सिरसी बघेल, लोंहदी खुर्द, नकहरा, लोंहदी कला, चन्दईपुर, गोपालपुर, राजापुर एवं कंतित ग्रामीण से गुजरती है, इस प्रकार से यह नदी कुल 11 ग्राम पंचायत से प्रभावित होती है और ग्राम पंचायत राजपुर में अंतिम छोर से गंगा नदी में मिल जाती है। उन्होने कहा कि यह नदी कुल 16.76 किलोमीटर की दूरी, कुल लागत रू0 101.74 लाख, जिसमें मनरेगा से 94.63 व्यय एवं 39243 मानव दिवस का सृजन करते हुये विकासखंड सिटी में तय करती हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल 11 ग्राम पंचायत में कार्य कराए जाना प्रस्तावित है जिसमें कुल प्राक्कलित लागत 101.74 लाख है। उक्त कार्य करने के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 की कार्य योजना में कार्य को सम्मिलित कर लिया गया है उपयुक्त कार्य में जल संरक्षण के विभिन्न कार्य एवं वृक्षारोपण का भी कार्य किया जाना है जल संरक्षण के तहत लोंहदी नदी के जल प्रवाह का प्रवाह मार्ग पर चेक डैम एवं पापुलेशन आदि का भी निर्माण किया जाना प्रस्तावित है नदी में जल को स्वच्छ रखने हेतु यह आवश्यक है की नदी में मिलने वाले जल का उचित तरीके से सुन्दरीकरण किया जाए इसके लिए सभी स्थलों पर फिल्टर चेंबर का भी निर्माण किया जाएगा नदी में कुछ स्थानों पर जैसे चन्दईपुर, बरकछा खुर्द, गोपालपुर में बृहद वृक्षारोपण एवं अमृत उद्यान भी प्रस्तावित है। मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने कहा कि इस नदी को और भी गहरा बनाया जाएगा जल संचयन के साथ-साथ नदी के जीर्णोद्धार का कार्य और चेक डैम भी बनाए जाएंगे ताकि पानी का भूगर्भ बना रहे। उन्होंने ग्रामीणों से जन सहयोग की अपील करते हुए कहा कि वर्षा से पूर्व तीन-चार महीने में इस कार्य को पूर्ण करना है वर्षा में मीरजापुर का पानी बहने ना पाए इसे रोक कर नदी में ही बनाए रखना है ताकि इस विलुप्त होती नदी को बचाने के लिए सभी का जन सहयोग कारगर साबित होने के साथ-साथ इस नदी को और गहरा कर जल संरक्षण संचयन का कार्य किया जाएगा।

कारोबार

15 के बाद बंद हो जाएंगी पेटीएम की ये सर्विस

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर प्रतिबंध लगा दिया है। 31 जनवरी 2024 को आरबीआई ने यह निर्देश लिया था। पहले बैंक ने इसकी समयसीमा 29 फरवरी की थी जिसे अब बढ़ा कर 15 मार्च कर दिया गया है। आरबीआई के निर्देश के अनुसार पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर 15 मार्च 2024 के बाद कोई भी ट्रांजेक्शन एक्सेप्ट नहीं होगी। ऐसे में बैंक ने ग्राहकों को सलाह दिया है कि वो पेटीएम पेमेंट्स बैंक में मौजूद राशि को किसी दूसरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर कर दें। पेटीएम पेमेंट्स के बैन हो जाने के बाद कई लोग कंफ्यूज हैं कि कौन-सी सर्विस का लाभ मिलता रहेगा और कौन-सी सर्विस बंद हो जाएगी। दरअसल, पेटीएम पर कई फाइनेंशियल सर्विस मौजूद है। चलिए, हम आपको बताते हैं कि 15

मार्च 2024 के बाद पेटीएम ऐप पर कौन-सी सर्विस बंद हो जाएगी। 15 मार्च के बाद यूजर पेटीएम पेमेंट्स बैंक से अकाउंट, फास्टैग या फिर वॉलेट को टॉप-अप नहीं करवा पाएंगे। यह सर्विस 15 मार्च के बाद बंद हो जाएगी। 15 मार्च के बाद यूजर पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर किसी भी प्रकार की कोई पेमेंट हासिल नहीं कर पाएंगे। यूजर को सैलरी या फिर कोई और मनी बेनिफिट पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर मिल रही है तो उन्हें यह लाभ 15 मार्च के बाद नहीं मिलेगा। 15 मार्च के बाद पेटीएम फास्टैग में मौजूद बैलेंस को दूसरे फास्टैग में ट्रांसफर नहीं किया जा सकता है। यूपीआई या आईएमपीएस के जरिये पेटीएम पेमेंट्स बैंक अकाउंट में कोई भी पैसे ट्रांसफर नहीं होंगे। 15 मार्च 2024 के बाद पेटीएम की कई सर्विस बंद हो जाएगी पर यूजर कुछ सर्विस का लाभ 15 मार्च के बाद भी उठा पाएंगे। हालांकि, इन सर्विस का लाभ उठाने के लिए यूजर को पेटीएम पर दूसरे बैंक अकाउंट को लिंक करना होगा। चलिए, जानते हैं कि पेटीएम पर 15 मार्च के बाद भी कौन-सी सर्विस का लाभ यूजर उठा सकते हैं। 15 मार्च के बाद यूजर पेटीएम वॉलेट से आसानी से पैसे निकाल या डिपॉजिट कर सकते हैं। पेटीएम से पेमेंट करने के बाद यूजर्स को कैशबैक, रिफंड या फिर रिवॉर्ड जैसे बाकी सभी लाभ मिलते रहेंगे।

15 मार्च के बाद भी अगर पेटीएम पेमेंट्स बैंक में राशि मौजूद है तो यूजर उस राशि का इस्तेमाल कर सकते हैं। पेटीएम वॉलेट के जरिये मर्चेंट को आसानी से पेमेंट किया जा सकता है। पेटीएम यूजर के पास वॉलेट को बंद करने या फिर दूसरे अकाउंट में अमाउंट को ट्रांसफर करने का ऑप्शन मौजूद है। यूजर यूपीआई और आईएमपीएस के जरिये आसानी से ऑनलाइन पेमेंट कर सकता है। 15 मार्च के बाद भी यूजर ओटीटी प्लेटफॉर्म को सब्सक्राइब करने के लिए पेटीएम का इस्तेमाल कर सकते हैं। हां, इसके लिए यूजर के पेटीएम वॉलेट या फिर बैंक अकाउंट लिंक होना चाहिए।

कारों के पांच बेकार फीचर्स

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। मॉडर्न दुनिया में टेक्नोलॉजी सभी क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रही है। ऑटोमोबाइल सेक्टर और टेक्नोलॉजी साथ-साथ चलते हैं। इसलिए अब कारें एडवांस्ड तकनीकी फीचर्स के साथ आती हैं। कई ग्राहक एक वाहन को दूसरे की तुलना में उनके विस्तृत और आकर्षक फीचर लिस्ट के कारण खरीदने का फैसला करते हैं। आज के जमाने की कारों में मिलनेवाली कुछ विशेष फीचर्स की बात करें तो उनमें एयर प्यूरीफायर, 360 डिग्री कैमरा, पावर्ड सीटें, वायरलेस फोन चार्जर और बहुत कुछ शामिल हैं। हालांकि, हाल के दिनों में, कारों में बहुत से बेकार के फीचर्स भी दिए जाने लगे हैं, जो कारों में बहुत उपयोगी नहीं हैं। आइए इनमें से कुछ फीचर्स की बात करें, ताकि आप नई गाड़ी खरीदने का फैसला करते समय उनके झांसे में न आएं। सनरूफ की लोकप्रियता बढ़ रही है।

स्पाइसजेट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी समेत कई लोगों ने कंपनी छोड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। एयर कंपनी स्पाइसजेट में एक बड़े बदलाव की खबर सामने आ रही है। कंपनी मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक टीम के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से कंपनी छोड़ दी है। कंपनी के अनुसार यह बदलाव रणनीतिक पुनर्गठन के तहत किया गया है। हाल के दिनों में कंपनी के राजस्व और लोड फैक्टर में लगातार और महत्वपूर्ण वृद्धि देखी जा रही है। हाल ही में फंड जुटाने के साथ, स्पाइसजेट ने पूर्व के सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी क्षमता बढ़ाने, तेजी से बढ़ने और भारतीय विमानन क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। इसके तहत कई तरह के बदलाव किए

जा रहे हैं। स्पाइसजेट ने मंगलवार को कहा कि एयरलाइन में रणनीतिक पुनर्गठन के तहत उसके वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है।

सूत्रों ने सोमवार को बताया कि एयरलाइन के मुख्य परिचालन अधिकारी अरुण कश्यप और मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया ने अपना इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने मंगलवार को एक बयान में कहा, स्पाइसजेट के रणनीतिक पुनर्गठन के तहत मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी सहित वाणिज्यिक दल के कई सदस्यों ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। प्रवक्ता ने कहा कि हाल में पूंजी जुटाने के साथ ही कंपनी पिछले सभी विवादों के समाधान की प्रक्रिया तेज कर रही है और राजस्व तथा यात्रियों की संख्या में महत्वपूर्ण वृद्धि हो रही है।

पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज का आईपीओ ओपन हुआ

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। ऑटोमोबाइल डीलरशिप्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ आज ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 14 मार्च तक बोली लगा सकेंगे। इसके अलावा क्रिस्टल इंटीग्रेटेड सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ भी इसी हफ्ते ओपन होगा। आइए इन दोनों कंपनियों के आईपीओ के बारे में एक-एक करके जानते हैं। पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज इस आईपीओ के जरिए ?601.55 करोड़ जुटाना चाहती है। इसके लिए कंपनी 250 करोड़ के 8,474,576 फ्रेश शेयर इश्यू कर रही

है। जबकि, कंपनी के मौजूदा निवेशक ऑफर फॉर सेल के जरिए 351.55 करोड़ के 11,917,075 शेयर बेच रहे हैं। 19 मार्च को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचें पर लिस्ट होंगे। मैक्सिमम 650 शेयर के लिए बिडिंग कर सकते हैं रिटेल निवेशक पॉपुलर व्हीकल्स एंड सर्विसेज लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड 280-?295 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 50 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड 295 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए14,750 इन्वेस्ट करने होंगे। वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 650 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से191,750 खर्च करने होंगे। आईपीओ ओपन होने के पहले कंपनी का शेयर ग्रे मार्केट में 9.15प्रतिशत यानी 27 प्रति शेयर के प्रीमियम पर पहुंच गया है। ऐसे में अपर प्राइस बैंड 295 के हिसाब से इसकी लिस्टिंग 322 पर हो सकती है। हालांकि, यह केवल अनुमान होता है, शेयर की लिस्टिंग की प्राइस ग्रे मार्केट की प्राइस से काफी अलग होती है। ऑटोमोबाइल डीलरशिप्स बिजनेस से जुड़ी कंपनी है।

बैंकों के कामकाज के तरीके से खुश नहीं लोग

एजेंसी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई ने लोकपाल योजनाओं के तहत आने वाली शिकायतों को लेकर एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में आरबीआई को लोकपाल योजनाओं के तहत दर्ज शिकायतों की संख्या 68 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 7.03 लाख हो गई। यह शिकायतें मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग, लोन, एटीएम/डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पेंशन पेमेंट, बैंकिंग समेत अन्य मामलों से संबंधित थीं। लोकपाल योजना 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा लोकपाल योजना आरबीआई आईओएस शुरू की गई। इस रिपोर्ट

के अनुसार वर्ष 2021 के तहत पहली स्टैंड-अलोन रिपोर्ट है जो आरबीआई लोकपाल ओआरबी आईओ केंद्रीकृत रसीद और 22 कार्यालयों की गतिविधियों को स्पष्ट करती है। आरबी-आईओएस, 2021 के तहत, शिकायतों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्ष 2022-23 में ओआरबीआईओ और सीआरपीसी में कुल 7,03,544 शिकायतें प्राप्त हुई। यह गहन जन जागरूकता के कारण 68.24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती हैं। बैंकों के खिलाफ शिकायतों का सबसे बड़ा हिस्सा (1,96,635 शिकायतें) है, जो ओआरबीआईओ को प्राप्त शिकायतों का 83.78 प्रतिशत है। ओआरबीआईओ द्वारा 2,34,690 शिकायतों का निपटान किया गया और सीआरपीसी में 4,68,854 शिकायतों का निपटारा किया गया। आरबीआई ने कहा कि ओआरबीआईओ में निपटाई गई शिकायतों का 2022-23 के दौरान 33 दिनों का औसत टर्न अराउंड टाइम (ञ्ञ) है, जो 2021-22 के दौरान 44 दिनों से काफी बेहतर हुआ है। आरबी-आईओएस, 2021 के तहत निपटान योग्य शिकायतों में से अधिकांश (57.48 प्रतिशत) का समाधान आपसी समझौते, सुलह या मध्यस्थता के माध्यम से किया गया। रिपोर्ट के अनुसार कई शिकायतें आरबीआईओ द्वारा खारिज कर दिया गया या शिकायतकर्ताओं द्वारा वापस ले लिया गया। बैंकों के साथ-साथ गैर-बैंक भुगतान प्रणाली प्रतिभागियों के खिलाफ प्राप्त शिकायतों की कुल संख्या में मोबाइल/इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग से संबंधित शिकायतों का योगदान सबसे अधिक था। जबकि एनबीएफसी के संबंध में निष्पक्ष व्यवहार संहिता का पालन न करने से संबंधित शिकायतें सबसे ज्यादा थीं।

सरकार ने आधार होल्डर्स को दी खुशखबरी

नई दिल्ली, 12 मार्च (नवसत्ता)। आधार कार्ड अपडेट की तारीख आगे बढ़ा दिया है। पहले इसकी समयसीमा 14 मार्च 2024 थी जिसे अब बढ़ा कर 14 जून 2024 कर दी गई है। इसका मतलब है कि अब आधार कार्ड होल्डर्स ऑनलाइन 14 जून तक अपने आधार कार्ड को अपडेट कर सकते हैं। आज यूआईडीएआई ने एक्स पर पोस्ट करके जानकारी दी है कि फ्री में आधार कार्ड अपडेशन की तारीख को 14 मार्च से बढ़ाकर 14 जून कर दिया है। कई आधार यूजर्स ने 10 साल से अपने आधार कार्ड को अपडेट नहीं किया है। ऐसे में यूआईडीएआई ने सभी यूजर को फ्री में आधार अपडेट करने की सुविधा दी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक सरिता श्रीवास्तव द्वारा प्रभाष प्रिन्टर्स, गणेश नगर, रामजी पुरम निकट मदर टेरेसा स्कूल पो0 मलिकमऊ आयमा रायबरेली से मुद्रित कराकर 31 बस्तेपुर रामजी पुरम रायबरेली ,उप्र से प्रकाशित
सम्पादक- धीरज श्रीवास्तव - फोन नं-0535-2700090, मो0 नं0- 9415020008 आर0 एन0आई0 नं0 यूपीएचआईएन/2012/46348 'सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रायबरेली न्यायालय होगा। navsatta@gmail.com

चारबाग रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रेल कोच रेस्टोरेंट व जन औषधि केंद्र का शुभारंभ

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। उनमें लखनऊ को भी कई सौगातें मिली हैं, लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन के साथ ही वर्ल्ड क्लास गोमती नगर स्टेशन पर जेनेरिक दवाओं के लिए जन औषधि केंद्र और रेल कोच रेस्टोरेंट का तोहफा दिया गया है। लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने लखनऊ जन औषधि केंद्र,वन स्टेशन वन प्रोडक्ट स्टाल और चारबाग रेलवे स्टेशन परिसर में रेल कोच रेस्टोरेंट का प्रत्यक्ष रूप में उद्घाटन किया। भाजपा वरिष्ठ नेता नीरज सिंह महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी महापौर सुषमा खर्कवाल, विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान,पूर्वोत्तर रेलवे के मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार सहित पार्टी पदाधिकारी और रेलवे कर्मचारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि आज रेलवे के ढांचे के सुधार के लिए प्रधानमंत्री जी ने हजारों करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है जिसके लिए लखनऊ सहित प्रदेश और देश के सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देता हूं और प्रधानमंत्री व लखनऊ से

सांसद व देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का अभिनंदन करता हूं। प्रधानमंत्री के संकल्प को लखनऊ में रक्षा मंत्री व सांसद राजनाथ सिंह पूरा कर रहे हैं। रेलवे की छवि आज से अगर 10 / 12 वर्ष पहले देखें तो किस प्रकार से रेलवे स्टेशनों पर गंदगी का अंबार रहता था,रेल के अंदर यात्रीगण को किस प्रकार की असुविधाओं का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में रेलवे की सुविधा अपग्रेड हुई है और विश्व स्तरीय हुई हैं। पिछले 10 सालों में रेलवे में जो क्रांति हुई उस तरह के रेलवे के विकास पर आजादी के बाद वाली सरकारों ने कोई ध्यान नहीं दिया। आज रेलवे में सुधार की तमाम परियोजनाएं चल रही हैं। हमारी सरकार आम आदमी के जीवन से जुड़ी हुई आवश्यकताओं को पूरा करते हुए आगे बढ़ाने के संकल्प को आधार बनाकर कार्यरत है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में वंदे भारत ट्रेनों का शुभारंभ बदलते हुए भारत की तस्वीर को प्रदर्शित कर रहा है। प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत संकल्प का जो सपना देखा है उसमें रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस मौके पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि रेलवे का तेजी से आधुनिकीकरण हो रहा है,कई वंदे भारत ट्रेन लखनऊ को मिली हैं। कई ट्रेनों को विस्तार दिया गया है। नई वंदे भारत ट्रेन में लखनऊ देहरादून की वंदे भारत शामिल है, मुझे पता लगा है उसमें मेरे स्टेशन को स्टॉपेज नहीं मिला है। नजीबाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन नहीं रुकेगी, मेरा रेलवे से अनुरोध है कि मेरे यहां के रेलवे स्टेशन पर भी ठहराव के बारे में विचार करें। वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह ने कहा कि निश्चित रूप से रेल के क्षेत्र में हम विश्व स्तरीय सुविधाओं से युक्त हो रहे हैं। यह हम सबके लिए गौरव का विषय है कि हम विश्व स्तरीय ट्रेन सुविधा देने का काम कर रहे हैं। देश के कोने-कोने से हमारा शहर जुड़ रहा है। हम देश के हर शहर से ट्रेनों को जोड़ रहे हैं। हम कनेक्टिविटी के क्षेत्र में विश्व स्तरीय मानक को पूरा कर रहे हैं। वंदे भारत जैसी सुविधाओं से सुसज्जित और तीव्र गति की ट्रेन प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में चल रही है जिनकी भारत में कभी कल्पना भी नहीं की गई थी। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि उद्घाटन के साथ ही प्रदेश अध्यक्ष ने रेल कोच रेस्टोरेंट में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ अंदर जाकर ट्रेन कोच में निर्मित शानदार बातानुकूलित रेस्टोरेंट का जायजा लिया और बैठकर चाय नाश्ता किया। इस दौरान रजनीश गुप्ता, घनश्याम अग्रवाल, विवेक तोमर, हेमंत दयाल, संतोष श्रीवास्तव, विनायक पांडे, सचिन वैश्य, मानस बाहरी भी उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेलवे की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण शिलान्यास कायक्रम के साथ लखनऊ गोमती नगर स्टेशन के बाहर रेल कोच रेस्टोरेंट का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, उत्तर विधानसभा विधायक डॉ नीरज बोरा, डीसीएम एनईआर आशुतोष गुप्ता की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर लखनऊ वासियों को कई परियोजनाओं का सौगात मिली है सौगात मिली है एक लाख करोड़ की परियोजनाएं देश को समर्पित की गई है। 1947 से 2014 तक रेलवे का बीस हजार किलोमीटर रेललाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन का काम हुआ वही 2014से 2024तक चालीस हजार किलोमीटर रेललाइन का इलेक्ट्रिफिकेशन का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किया गया।

हिट साबित हो रहे यूपी के नए एयरपोर्ट फुल होकर चल रहीं सभी फ्लाइट्स

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। उत्तर प्रदेश के लोग अब हवाई सफर कर रहे हैं। योगी सरकार प्रदेश के लोगों के हवाई सफर का सपना पूरा कर रही है। 10 मार्च को ही पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश के 5 जनपदों (आजमगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट, अलीगढ़ और मुरादाबाद) में नए एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था और दो दिनों में ही यहां सारी फ्लाइट फुल होकर जा रही हैं। इस पर सीएम योगी ने भी खुशी जाहिर की है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश, देश में सर्वाधिक क्रियाशील एयरपोर्ट वाला प्रदेश है और ये 5 नए एयरपोर्ट यहां पर लोगों उड़ान की चाहत को नए पंख देने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। सीएम योगी ने मंगलवार को इन्वेस्ट यूपी के कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश की एयर

कनेक्टिविटी का जिक्र करते हुए नए एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी में आज देश के अंदर सबसे अधिक एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश के अंदर क्रियाशील हैं। प्रधानमंत्री जी ने परसों आजमगढ़, श्रावस्ती, चित्रकूट, अलीगढ़, मुरादाबाद एयरपोर्ट का उद्घाटन किया था। सोमवार से ही वायु सेवा उन एयरपोर्ट्स पर प्रारंभ हो चुकी है और यह पूरी तरह फुल होकर जा रही है। मालूम हो कि इन शहरों से 19 सीटर विमान उड़ान भर रहे हैं। जानकारी के अनुसार इन सभी विमानों की सीटें फुल होकर जा रही हैं। जो फ्लाइट इन नए एयरपोर्ट्स से अब तक शुरू की गई हैं, उनमें लखनऊ से आजमगढ़, आजमगढ़ से लखनऊ,लखनऊ से अलीगढ़, अलीगढ़ से लखनऊ, लखनऊ से श्रावस्ती, श्रावस्ती से लखनऊ, लखनऊ से चित्रकूट और चित्रकूट से लखनऊ की फ्लाइट्स शामिल हैं। ये सभी फ्लाइट्स निर्धारित यात्रियों को लेकर रवाना हो रही हैं।

जनता जो सुझाव देगी उसको करेंगे संकल्प पत्र में शामिल

संवाददाता

लखनऊ, 12 मार्च (नवसत्ता)। देश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने राजधानी लखनऊ स्थित बीजेपी प्रदेश मुख्यालय पर प्रेस वार्ता की। इस प्रेस वार्ता में दोनों ही नेताओं ने मोदी की गारंटी पर बात की और सरकार की उपलब्धियां गिनाई। भारतीय जनता पार्टी 2024 लोकसभा का संकल्प पत्र विकसित भारत-मोदी की गारन्टी अभियान के अन्तर्गत तैयार कर रही है। इस अभियान का शुभारम्भ दिनांक 25 फरवरी 2024 को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने नई पार्टी के नई दिल्ली मुख्यालय से किया था। अभियान में विकसित भारत के लिए सुझाव भारत के जन-जन से एकत्र किया जा रहा है। इन सुझावों के आधार पर पार्टी अपना संकल्प पत्र तैयार करेगी। सुझाव आपका संकल्प हमारा इस अभियान का मंत्र है। उत्तर प्रदेश में इस अभियान का शुभारम्भ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी तथा उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 26 फरवरी 2024 को किया था। यह अभियान 20 मार्च तक चलेगा। अभियान के अन्तर्गत हर लोकसभा में 2 एलईडी वैन चल रही है। कुल 160 एलईडी वाहन चल रहे हैं। जो प्रत्येक लोकसभा लोकसभा क्षेत्र की प्रत्येक विधानसभा में पहुंच रहे है। इन एलईडी वैन के साथ सुझाव पेटिकायें है जिनमें आम जन के सुझाव एकत्र किये जा रहे है। भारी संख्या में लोग इन पेटियों में अपने सुझाव डाल रहे हैं। पूरे प्रदेश में ऐसी 431 पेटिकायें विभिन्न विधानसभाओं में भेजी गई है। सुझाव कोहोर्ट कार्यक्रमों के माध्यम से भी एकत्र किया जा रहे है। कोहोर्ट के अन्तर्गत विशेष समूहों का कार्यक्रम होता है। पूरे देश में ऐसे कुल 125 कार्यक्रम होने है। जिनमें से उत्तर प्रदेश में 09 कार्यक्रम हो चुके है।

सुरेश मिश्र को मिला साने गुरुजी राष्ट्रीय एकता जीवन गौरव

संवाददाता

मुंबई, 12 मार्च (नवसत्ता)। महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला साने गुरुजी राष्ट्रीय एकता जीवन गौरव पुरस्कार इस बार प्रसिद्ध हास्य कवि एवं तमाम पुस्तकों के रचयिता सुरेश चंद्र मिश्र को चर्चगेट मुंबई स्थित रमेश पामी थडवानी सभागृह जयहिंद महाविद्यालय में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के तहत सुरेश मिश्र को इक्यावन हजार रुपए, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाणपत्र वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. सुधाकर मिश्र, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दूबे, पत्रकार विमल मिश्र, साहित्यकार व अकादमी सदस्य प्रमोद शुक्ल और उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू लोढ़ा के कर कमलों से प्रदान किया गया।

इससे पूर्व भी मिश्र को दर्जनों राज्य स्तर एवं राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। उनकी लिखी दो कविताएं महाराष्ट्र शिक्षा बोर्ड पुणे के कक्षा नौवीं और कक्षा छठवीं के पाठ्यक्रम में शामिल की गई हैं। साहित्यकारों और पत्रकारों से खचाखच भरे सभागृह में सुरेश मिश्र ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर अखिल भारतीय सम्मान जीवन गौरव हिंदी सेवी पुरस्कार आचार्य उदयन मीमांसक, अखिल भारतीय डाक्टर राममनोहर त्रिपाठी पुरस्कार पं. राम बोध पांडेय को दिया गया।

पत्रकार कृष्ण चंद्र दूबे, संजय भारद्वाज , संध्या पांडेय,गणपत राठौड़, अतुल कुमार अग्रवाल, डाक्टर नीला बोर्दणकर, कुलदीप कुमार श्रीवास्तव को भी विविध क्षेत्रों में योगदान के लिए जीवन गौरव पुरस्कार दिए गये।

विधा पुरस्कारों में श्रीमती सुधा झालानी,डाक्टर उमेशचंद्र शुक्ल, संतोष कुमार झा, मनोज कुमार गोयल, राकेश त्रिवेदी, श्रीमती प्रतिभा सिंह, श्रीमती ममता सिंह, सहित कविता, कहानी, उपन्यास, निबंध आदि विधाओं में में पुरस्कार दिए गये। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी के वरिष्ठ उद्घोषक रहे आनंद सिंह ने किया। इससे पहले अकादमी के कार्याध्यक्ष डाक्टर शीतला प्रसाद दूबे ने अकादमी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला।